RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:29 ता. 22 जूलाई 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

जी-20 श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक में शामिल हुए पीएम मोदी, कहा- रोजगार का मुख्य चालक बन गई टेक्नोलॉजी

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड के दौरान भारत में फ्रंटलाइन स्वास्थ्य और अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए अद्भुत काम ने उनके कौशल और समर्पण को दिखाया। उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया में कौशल कार्यबल के सबसे बड़े प्रदाताओं में से एक बनने की क्षमता है।

नई दिल्ली। 21 जुलाई (शुक्रवार) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी 20 श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि यह बैठक ऐसे देश में हो रही है, जिसके पास प्रौद्योगिकी-आधारित परिवर्तन के दौरान भी बड़ी संख्या में प्रौद्योगिकी नौकरियां निकालने का अनुभव है।

'रोजगार का मुख्य चालक बनी प्रौद्योगिकी

पीएम मोदी ने कहा, चौथी औद्योगिक क्रांति के इस युग में, प्रौद्योगिकी रोजगार का मुख्य चालक बन गई है और आगे भी बनी रहेगी। यह सौभाग्य की बात है कि यह बैठक ऐसे देश में हो रही है, जिसके पास पिछले ऐसे प्रौद्योगिकी-आधारित परिवर्तन के दौरान बड़ी संख्या में प्रौद्योगिकी नौकरियां पैदा करने का अनुभव है।

उन्होंने कहा, हम सभी को अपने कार्यबल को उन्नत प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं के उपयोग में कुशल बनाने की आवश्यकता है। स्किलिंग, रीस्किलिंग और अपस्किलिंग भविष्य के कार्यबल के लिए मंत्र हैं। भारत में हमारा स्किल इंडिया मिशन इसी वास्तविकता से जुड़ने का एक अभियान है।

भारत के पास कौशल कार्यबल के सबसे बड़े प्रदाता बनने की क्षमता

कोविड काल में फ्रंटलाइन कर्मचारियों के बारे में बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ÷कोविड के दौरान भारत में फ्रंटलाइन स्वास्थ्य और अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए अद्भुत काम ने उनके कौशल और समर्पण को दिखाया। यह हमारी सेवा और जुनून की संस्कृति को भी दर्शाता है। दरअसल, भारत में दुनिया में कौशल कार्यबल के सबसे बड़े प्रदाताओं में से एक बनने की क्षमता है।

युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने की अपार संभावनाएं

स्किल इंडिया मिशन को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, लचीली कार्य व्यवस्था प्रदान करता है और आय स्रोतों की भी पूर्ति करता है। इसमें

विशेषकर युवाओं के लिए लाभकारी रोजगार पैदा करने की अपार संभावनाएं हैं। यह महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक परिवर्तनकारी उपकरण भी हो सकता है। इसकी क्षमता का एहसास करने के लिए, हमें नए जमाने के श्रमिकों के लिए नए जमाने की नीतियां और हस्तक्षेप डिजाइन करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, ÷इन कर्मचारियों और श्रमिकों के संबंध में आंकड़े, सूचना और डेटा साझा करना शुरुआत करने का एक शानदार तरीका हो सकता है। यह दुनिया भर के देशों को बेहतर कौशल, कार्यबल योजना और लाभकारी रोजगार के लिए साक्ष्य आधारित नीतियां बनाने के लिए सशक्त बनाएगा।

कौशल के विकास करने में जी20 निभाए मुख्य भूमिका

पीएम मोदी ने कहा, अब सही अर्थों में कौशल के विकास और साझाकरण को वैश्वीकृत करने का समय आ गया है। जी20 को इसमें अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। मैं कौशल और योग्यता आवश्यकताओं के आधार पर व्यवसायों का अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ शुरू करने के आपके प्रयासों की सराहना करता हूं। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और समन्वय तथा प्रवासन और गतिशीलता भागीदारी के नए मॉडल की आवश्यकता है।÷

उन्होंने कहा, अब सही अर्थों में कौशल के विकास और साझेदारी को वैश्वीकृत करने का समय आ गया है। जी 20 को इसमें मुख्य भूमिका निभानी चाहिए। मैं कौशल और योग्यता के आधार पर पासपोर्ट का अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ शुरू करना चाहता हूं। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग तथा पर्यटन और विशेषाधिकारी भागीदारी के नए मॉडल की आवश्यकता है।

महाराष्ट्र, राजस्थान समेत कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, दिल्ली में अभी सताएगी गर्मी

नई दिल्ली। देश के ज्यादातर राज्यों में मानसून की भारी बारिश देखने को मिल रही है। कई जगह ये बारिश कहर बनकर भी बरस रही है। महाराष्ट्र, गुजरात और असम के कई इलाकों में इसके चलते तबाही मची है। इस बीच मौसम विभाग ने आज भी महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और यूपी जैसे कई राज्यों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। दूसरी ओर राजधानी दिल्ली में अगले दो दिन तक बारिश के आसार कम हैं और लोगों को उमस भरी गर्मी ही झेलनी पड़ सकती है।

महाराष्ट्र-राजस्थान समेत इन राज्यों में अलर्ट

मौसम विभाग ने महाराष्ट्र के कई जिलों में आज फिर भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विदर्भ में आज तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

राहुल-प्रियंका ने दी खड़गे को जन्मदिन की शुभकामनाएं

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन रिपीट मल्लिकार्जुन खड़गे को जन्मदिन पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

श्री गांधी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ। आपकी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता हम सबके लिए प्रेरणा है। आपके लिए ढेर सारा प्रेम व्यक्त करते हुए अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

श्रीमती वाड्रा ने कहा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनाएं। आपकी विद्वत्ता और अनुभव देश भर के सभी कांग्रेसियों और महिलाओं के लिए शक्ति का स्रोत है। गौरतलब है कि श्री खड़गे का जन्म 21 जुलाई 1942 में कर्नाटक में बीदर जिले के वरावत्ती, भालकी तालुक में हुआ था।

जयपुर में भूकंप, 16 मिनट में 3 झटके, विस्फोट जैसी आवाज आई

सुबह 4 बजे लोग घरों और अपार्टमेंट्स से आए बाहर

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर शुक्रवार को भूकंप से हिल गई। यहां सुबह 4 बजकर 9 मिनट से 4 बजकर 25 मिनट के बीच 3 झटके महसूस किए गए। फिलहाल भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलोजी के अनुसार तीन झटके आए हैं। भूकंप का पहला झटका 4:09 पर आया, जिसकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.4 थी। दूसरा झटका 4:22 पर आया, जिसकी तीव्रता 3.1 और तीसरा झटका 4:25 पर आया, जो 3.4 तीव्रता का था।

स्थानीय लोगों ने बताया कि

एक के बाद एक भूकंप के झटके महसूस किए। विस्फोट जैसी आवाज सुनाई दी। लोग डर की वजह से सुबह 4 बजे घरों और अपार्टमेंट्स से बाहर निकल आए। भूकंप के बाद कई इलाकों में बिजली गुल हो गई।

ऐसा लगा जैसे जहाज गिर रहा हो

मानसरोवर इलाके के शिप्रा पथ स्थित यूनीक प्राइम अपार्टमेंट में रहने वाले गौरव बहादुर थापा ने बताया कि बहुत जोर से बिल्डिंग हिलने की आवाज आई। ऐसा लगा जैसे जहाज गिर रहा है। विद्याधर नगर में रहने वाले बुजुर्ग रामस्वरूप अग्रवाल ने बताया कि जयपुर में इससे पहले भी झटके महसूस किए हैं, लेकिन इतना तेज भूकंप पहली बार महसूस हुआ।

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी का ट्वीट...

पार्क में जाकर बैठे लोग

तीन बार झटके आने की वजह से लोग सहम गए और आसपास स्थित पार्क व खुले मैदानों में जाकर बैठ गए। वहीं कुछ लोग सड़क पर कुर्सी लगाकर स्थिति सामान्य होने का इंतजार करते रहे।

2023 में भारत में इतने करोड़ हो जाएगी मुसलमानों की आबादी, क्या कहता है अनुमान

नई दिल्ली। भारत में साल 2023 के अंत तक मुस्लिम आबादी 20 करोड़ के पास पहुंच जाएगी। लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की तरफ से यह जानकारी दी गई है। इस दौरान उन्होंने देश में मुसलमानों की साक्षरता और श्रम से जुड़े आंकड़े भी साझा किए हैं। खास बात है कि ताजा आंकड़े बताते हैं कि भारत ने आबादी के लिहाज से दुनिया में पहले स्थान पर पहुंच गया है। तृणमूल कांग्रेस सांसद माला रॉय की तरफ से अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय से संसद में तीन सवाल पूछे गए थे। पहला, क्या मुस्लिम आबादी को लेकर 30 जुलाई 2023 तक का कोई डेटा है? । दूसरा, क्या सरकार के पास पसमांदा मुसलमानों की आबादी का कोई डेटा है? । तीसरा, 31 जुलाई 2023 तक पसमांदा मुसलमानों की सामाजिक आर्थिक स्थिति की कोई जानकारी है?

आबादी

मंत्री ईरानी ने बताया, 2011 जनगणना के अनुसार, मुस्लिम आबादी 17.22 करोड़ थी, जो देश की आबादी का 14.2 फीसदी थी। टेक्निकल ग्रुप ऑन पॉप्युलेशन प्रोजेक्शन की जुलाई 2020

की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में देश की आबादी 138.82 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया था। 2011 सेंसस की तरह उसी अनुपात 14.2 फीसदी को लागू करते हुए 2023 में मुस्लिम आबादी 19.75 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया है।

राहुल की याचिका पर अब चार अगस्त को सुनवाई; गुजरात सरकार व अन्य को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट मोदी सरनेम टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका पर गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने मानहानि मामले में गुजरात राज्य को भी नोटिस जारी किया। पूर्णेश ने नोटिस का जवाब दाखिल करने के लिए कोर्ट से 21 दिन का समय मांगा, लेकिन कोर्ट ने उन्हें 10 दिन की मोहलत दी। कोर्ट ने कहा कि इस स्तर पर सीमित प्रश्न यह है कि क्या दोषसिद्धि निलंबित किए

जाने योग्य है? मामले की अगली सुनवाई चार अगस्त को होगी।

इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने हाईकोर्ट के फैसले को शीर्ष अदालत ने चुनौती दी। याचिका में कहा गया कि अगर विवादित फैसले पर रोक नहीं लगाई गई, तो इससे स्वतंत्र भाषण, स्वतंत्र अभिव्यक्ति, स्वतंत्र विचार और स्वतंत्र बयान का दम घुट जाएगा। याचिका में यह भी कहा गया कि राहुल को दोषी ठहराने और दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार करने की गलती तीन बार की गई। यह और भी बड़ा कारण है कि शीर्ष कोर्ट को जल्द से जल्द मामले में दखल दे और जो भी नुकसान हुआ, उसे रोके।

याचिका में कहा गया कि अगर याचिकाकर्ता की सजा पर राक नहीं लगाई गई तो वह अपने करियर के अहम आठ साल गंवा सकते हैं। राहुल ने याचिका में कहा कि अगर हाईकोर्ट के फैसले पर रोक नहीं लगाई गई तो इससे लोकतांत्रिक संस्थानों को व्यवस्थित तरीके से बार-बार कमजोर करने की कोशिशों को बल मिलेगा। इससे लोकतंत्र का दम घुट जाएगा। यह भारत के राजनीतिक माहौल और भविष्य के लिए हानिकारक होगा।2019 लोकसभा चुनाव के दौरान कर्नाटक के कोलार की एक रैली में राहुल गांधी ने कहा था, 'कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी है?' इसी को लेकर भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। राहुल के खिलाफ आईपीसी की धारा 499 और 500 (मानहानि) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

मणिपुर में फूटा दरिंदों के खिलाफ गुस्सा, महिलाओं की न्यूड परेड के आरोपी का घर फूंका

इम्फाल। मणिपुर में भीड़ द्वारा दो महिलाओं को नंगा करके घुमाने का वीडियो वायरल होने से बवाल मचा हुआ है। वीडियो सामने आने के दो दिन बाद मुख्य आरोपी के घर को शुक्रवार को उपद्रवियों ने जला दिया। वायरल वीडियो में मणिपुर के कांगपोकपी जिले में महिलाओं को भीड़ द्वारा नग्न अवस्था में घुमाते हुए दिखाया गया है। आरोप है कि महिलाओं का गैंगरेप भी किया गया। कांगपोकपी जिले के एक गांव में हुई यह घटना 3 मई को जातीय हिंसा भड़कने के एक दिन बाद हुई। हालांकि इसके फुटेज बुधवार को ही सामने आए। सोशल मीडिया में तेजी से फैल गया। सरकार के आदेश के बाद इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा लिया गया। यह घटना 4 मई को हुई थी। शिकायत 18 मई को दर्ज की गई थी। इसे 21 जून को पुलिस स्टेशन में भेज दिया गया था। और सोशल मीडिया पर नाराजगी के बाद पहली गिरफ्तारी गुरुवार को हुई। कई मायनों में गिरफ्तारी को अंजाम देने में मणिपुर सरकार की गति ने उनकी कार्रवाई की पूरी कमी को उजागर कर दिया। एक के बाद एक चूक पर चुप्पी साध ली गई। 77 दिनों तक इस पर पर्दा डालने का प्रयास किया। पहली शिकायत 18 मई को काकंगपोकपी जिले के सैकुल पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। शिकायत विस्तृत थी

और इसमें घातक हथियार के साथ डकैती, अपहरण, हमला, बलात्कार और हत्या की धाराएं शामिल थीं। मामले को नोंगपोक सेकमाई पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित करने में पुलिस को एक महीने और तीन दिन लग गए। 21 जून को मामला नोंगपोक सेकमाई पुलिस स्टेशन के पास आया। ऐसा लगता है कि एफआईआर में देरी की बात स्वीकार की गई है। एफआईआर में ग्राम प्रधान के हवाले से बताया गया है कि भीड़ ने लूटपाट और अन्य घटनाओं को अंजाम दिया।

भीड़ ने गांव पर बोला था धावा

रिपोर्ट में ग्राम प्रधान के हवाले से कहा गया है कि भीड़ एके राइफल, एसएलआर, इंसास और .303 राइफल जैसे घातक हथियार लैस थी। भीड़ ने गांव में धावा बोल दिया। सभी के घरों में तोड़फोड़ की। इसके साथ ही नकदी लूटने के बाद सामान बर्तन और कपड़े जला दिए। अधिकारियों ने स्वीकार किया कि उन्हें पता था कि गांव संवेदनशील है। 150 निवासियों में से करीब 90 को पुलिस और सुरक्षा कर्मियों ने पहले ही निकाल लिया था। एक अधिकारी ने बताया कि इनमें से अधिकांश ग्रामीण सरकार द्वारा संचालित शिविरों में रह रहे हैं।

पहाड़ से टूटकर गिरी चट्टान, बस में सवार पांच यात्री घायल

शिमला । हिमाचल में पहाड़ से चट्टान के टूटकर गिरने से बस में सवार पांच यात्रियों को चोटें आई है। हालांकि बाकी यात्री सुरक्षित हैं। जानकारी के मुताबिक सड़क परिवहन निगम (एचआरटीसी) की बस में यात्रा कर रहे यात्री शुक्रवार तड़के बाल-बाल बच गए। दरअसल, पहाड़ से चट्टानें टूटकर बस पर गिरने लगीं, जिसमें पांच यात्री घायल हो गए। बस गुरुवार रात रिकांग पियो से राज्य की राजधानी शिमला जा रही थी। यह हादसा किन्नौर जिले की निचार तहसील के उरनी गांव के पास हुआ। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आपदा के समय बस में कुछ यात्री सवार थे। हालांकि बस चालक ने समझदारी दिखाते हुए बस को सड़क से फिसलकर खाई में गिरने से रोक लिया। गौरतलब है कि इस समय राज्य के सबसे दूरस्थ स्थानों में से एक किन्नौर में मूसलाधार मानसूनी बारिश के कारण लगातार बाढ़ और भूस्खलन हो रहा है। हालांकि स्थानीय लोग प्राकृतिक आपदाओं के कारण रात्रि बस सेवा के संचालन के औचित्य पर सवाल उठा रहे हैं। यहां पर एक दिन पहले भी किन्नौर के सांगला में बादल फटने के बाद अचानक बाढ़ आने की खबर आई थी। इस दौरान कई वाहन और सेब के बगीचे बह गए। हालांकि, इसमें कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार स्थानीय मौसम विज्ञान कार्यालय ने 25 जुलाई तक राज्य में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं उपायुक्त तोरुल रवीश ने लोगों को भारी बारिश के कारण भूस्खलन और सड़कें अवरुद्ध होने के कारण राज्य भर में अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी।

अमरनाथ यात्रा जारी, 19 दिन में 3 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

जम्मू। भारी परेशानियों के दौरान भी श्री अमरनाथ की यात्रा जारी है। पिछले तीन हफ्ते में ही पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन करने वाले तीर्थ यात्रियों का आंकड़ा 3 लाख के पार हो गया है। जो ?कि एक ?रिकार्ड बताया जा रहा है। गौरतलब है कि 1 जुलाई से शुरू हुई यात्रा में 19 दिनों में ही 3 लाख से ज्यादा तीर्थ यात्रियों ने पवित्र हिमलिंग के दर्शन कर नया रिकार्ड बनाया है। उल्लेखनीय है कि श्री अमरनाथ यात्रा अभी 31 अगस्त तक जारी रहेगी। फिलहाल जम्मू स्थित भगवती नगर यात्री निवास से वीरवार को 18वें जत्थे में 6,523 तीर्थ यात्री कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में पहलगाम और बालटाल के लिए 262 छोटे-बड़े वाहनों में रवाना किए गए। पहलगाम मार्ग से यात्रा करने के लिए 3,746 और बालटाल मार्ग से यात्रा करने के लिए 2,777 तीर्थ यात्रा रवाना हुए हैं। अमरनाथ में पवित्र गुफा के दर्शन की यह यात्रा लगातार जारी है।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के छात्र का आईएसआईएस कनेक्शन, एनआईए ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। देश में सक्रिय आईएसआईएस आतंकी मॉड्यूल के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखते हुए, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को एक 19 वर्षीय आतंकी ऑपरेटिव को गिरफ्तार किया, जो उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) का छात्र भी है। जांच एजेंसी ने दो अलग-अलग राज्यों में उसके घर और उसके किराए के आवास पर तलाशी लेने के बाद फैजान अंसारी को गिरफ्तार किया। यह तलाशी 16 और 17 जुलाई को झारखंड के लोहरदगा जिले और यूपी के अलीगढ़ में एक किराए के कमरे में की गई। एजेंसी को तलाशी में कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और आपत्तिजनक दस्तावेज मिले। छापेमारी के बाद एनआईए ने फैजान को अपनी हिरासत में ले लिया। जांच एजेंसी के मुताबिक, फैजान ने भारत में आईएसआईएस गतिविधियों का समर्थन करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए अपने सहयोगियों और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के साथ मिलकर एक आपराधिक साजिश रची थी। एजेंसी ने दावा किया कि फैजान विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर संगठन के प्रचार प्रसार में लगा हुआ था, जिसका उद्देश्य आईएसआईएस की ओर से भारत में हिंसक आतंकी हमले' करना था। एजेंसी के अनुसार, फ़िज़यिान नव-धर्मांतरितों को कट्टरपंथी बनाने और उन्हें भारत में आईएसआईएस के कैडर बेस को समृद्ध करने के लिए आतंकवादी समूह की ओर आकर्षित करने卐 में सक्रिय रूप से शामिल था। वह विदेश स्थित आईएसआईएस संचालकों के भी संपर्क में था, जो भर्ती प्रक्रिया में उसका मार्गदर्शन कर रहे थे।

पुलिस ने बजरंग दल के तीन कार्यकर्ताओं को दिया एक साल का निर्वासन आदेश

बेंगलुरु। कर्नाटक पुलिस ने बजरंग दल के तीन कार्यकर्ताओं को एक साल का निर्वासन आदेश दिया है। पुलिस मंगलुरु शहर और आसपास के इलाकों में मोरल पुलिसिंग की घटनाओं को लेकर कड़े एक्शन करने जा रही है। दक्षिण कन्नड़ जिले के तीन बजरंग दल कार्यकर्ताओं के खिलाफ निर्वासन का आदेश जारी करने के पीछे का कारण बताते हुए पुलिस ने कहा कि बजरंग दल के तीन कार्यकर्ताओं को पहले ही नोटिस भेजकर पूछा गया है कि उनकी अवैध गतिविधियों और समाज में अशांति पैदा करने की कोशिश के चलते क्यों नहीं उन्हें निष्कासित कर दिया जाए। हालांकि इस संबंध में नामों और अन्य विवरणों की घोषणा अभी बाकी है। जानकारी के अनुसार इन कार्यकर्ताओं को शुक्रवार को मंगलुरु में डीसीपी, कानून-व्यवस्था प्रभाग के कार्यालय में बुलाया गया। पुलिस सूत्रों ने कहा कि समाज में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और मोरल पुलिसिंग की घटनाओं पर संदेश देने के लिए उन्हें निर्वासन आदेश दिया जाएगा। पुलिस ने कहा कि बजरंग दल कार्यकर्ताओं को एक साल की अवधि के लिए निर्वासित किया जाएगा। स्थानीय पुलिस ने इस संबंध में कार्यकर्ताओं पर सुल्तान गोल्ड ज्वेलरी स्टोर्स पर उत्पात मचाने की घटनाओं में शामिल होने और मुरोली में होली त्योहार के जश्न के दौरान उनके हंगामे के संबंध में एक रिपोर्ट दी थी। अल्पसंख्यक समुदाय के एक लड़के पर 6 दिसंबर, 2022 को सुल्तान गोल्ड ज्वेलरी स्टोर्स पर एक समूह द्वारा कथित तौर पर ज्वेलरी स्टोर में काम करने वाली एक लड़की के साथ संबंध रखने के कारण हमला किया गया था। घटना को लेकर दोनों तरफ से शिकायत दर्ज करायी गयी थी। पीड़ित लड़की का सहकर्मी था और माता-पिता को संदेह था कि लड़के ने उनकी बेटी को प्रेम जाल में फंसाया है। घटना के सिलसिले में बजरंग दल के चार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।

बीजेपी कैडर को फडणवीस का संदेश, मेरे जन्मदिन को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाएं

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का जन्मदिन 22 जुलाई को 'सेवा दिन' के रूप में मनाया जाएगा। यह फैसला खुद फडणवीस ने लिया और अपने समर्थकों से आग्रह किया कि वे उनके जन्मदिन पर कोई कार्यक्रम आयोजित न करें। इसके बजाय, उन्होंने उनसे उस दिन को सेवा दिवस के रूप में मनाने के लिए कहा है। यह निर्णय रायगढ़ जिले के इरशालवाड़ी में भूस्खलन के मद्देनजर आया है, जहां 20 लोगों की जान चली गई और कई घायल हो गए। प्रदेश भाजपा

अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने कहा कि हमने पार्टी के 50,000 लोगों की भर्ती करने का फैसला किया है जो मरीजों की सेवा करेंगे और चिकित्सा शिविर आयोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि 'मरीजों के ये दोस्त या 'रुग्ना मित्र' बाढ़ प्रभावित इलाकों में भी काम करेंगे। वे बाढ़ प्रभावित परिवारों के पुनर्वास में मदद करेंगे और भोजन और आश्रय जैसी सभी आवश्यक चीजें प्रदान करेंगे। विभिन्न शिविरों के माध्यम से प्रभावित परिवारों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी. वे अन्य सेवाओं के साथ-साथ नेत्र और रक्तदान शिविर भी चलाएंगे। सेवा के लिए भर्ती किए गए 50,000 कर्मचारी 28,000 ग्राम पंचायतों की जरूरतों को पूरा करेंगे। बावनकुले ने कहा, इस कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक अजीत गोपचेड़े हैं। 22 जुलाई 1970 को नागपुर में जन्मे फडणवीस ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत बीजेपी से की थी. अपने 25 साल के राजनीतिक करियर में उन्होंने देश के दूसरे सबसे युवा पार्षद बनने का रिकॉर्ड बनाया है। वह 1999 से राज्य विधानसभा के सदस्य हैं। फडणवीस नागपुर दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। 2013 में, उन्हें राज्य भाजपा अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया और सुनिश्चित किया कि संगठन 2014 के विधानसभा चुनाव में 288 सीटों में से 122 सीटों के साथ महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरे।

उद्योगपति एक दिन में कमाता है 1,600 करोड़ तो किसान केवल 27 रुपये

-कांग्रेस की जन आक्रोश रैली को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने किया संबोधित

ग्वालियर (एजेंसी)। कांग्रेस महा सचिव प्रियंका गांधी ने कहा है कि हमारे ही देश में उद्योगपति जहां 1,600 करोड़ रुपये प्रतिदिन कमाता है वहीं किसान की आमदनी प्रतिदिन 27 रुपये से भी कम है। प्रियंका गांधी आज मध्य प्रदेश के ग्वालियर में कांग्रेस की जन आक्रोश रैली को संबोधित कर रही थी। इस दौरान पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने महंगाई और बेरोजगारी को लेकर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिन उद्योगपतियों को देश की संपत्ति बेची गई है, उनकी 1,600 करोड़ रुपए प्रतिदिन कमाई है। वहीं, किसान 27 रुपये से कम कमाता है। प्रियंका गांधी ने ग्वालियर पहुंचने पर महारानी लक्ष्मी बाई की समाधि पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित की। उसके बाद ग्वालियर व्यापार मेला के मैदान में आयोजित जन आक्रोश रैली में पहुंची। उन्होंने देश में बढ़ती महंगाई, किसानों की समस्याएं और बेरोजगारी का सिलसिलेवार जिक्र करते हुए पांच साल के हालातों की चर्चा करते हुए कहा ?कि किसान हो, रेहड़ी-पटरी वाला हो, बहुत मेहनत करता है, उसके पास कुछ भी नहीं बचता। वहीं, जो लोग राज कर रहे हैं और जिनके हाथ में सत्ता है, वह घोटाले कर करके कमा रहे हैं। बड़े-बड़े आलीशान महल हैं, बड़े-बड़े बिजनेस वालों के साथ घूमते-फिरते हैं और किसनों की जेब में एक पाई नहीं बचती।

उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा कि एक तरफ इतनी महंगाई है और आपके पास मेहनत करने के बावजूद कुछ भी नहीं बचता। वहीं किसानों की सरकार ने संपत्ति जिन लोगों को सौंप दी है, उनकी कितनी कमाई है, मैं आपको बताती हूं एक दिन में एक उद्योगपति 1,600 करोड़ कमा रहा है। जिसे देश की संपत्ति बेची गई है और इस देश का किसान एक दिन में 27 रुपये से ज्यादा नहीं कमा पा रहा। प्रियंका गांधी ने मप्र की बेरोजगारी की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य में बेरोजगार आत्महत्या कर रहा है। रोजगार के लिए उसकी महत्वाकांक्षा होती है, क्योंकि वह सोचता है कि मां-बाप के लिए कुछ करेगा, बच्चे हैं, उनकी परवरिश करेगा, आज उनके सारे सपने टूट रहे हैं। उन्हें मुफ्त की योजनाएं नहीं चाहिए।

प्रियंका ने बताया कि राज्य सरकार ने 22 हजार घोषणाएं की है लेकिन उनमें से दो हजार भी पूरी नहीं हुई। यहां घोटाले पर घोटाले हो रहे हैं, तीन साल में 21 लोगों को नौकरी मिली है। प्रियंका गांधी ने राज्य में कांग्रेस की सरकार गिराकर भाजपा की सरकार बनाए जाने का जिक्र किया और कहा कि जैसे इंसान की नींव होती है वैसी ही नीयत होती है। यही इस सरकार का हाल है। यह खरीदकर बनाई गई सरकार है, जिसकी नींव ही कमजोर है। यह पैसों से खरीदी सरकार है, इसकी नीयत खराब है, इसका सिर्फ लूट और घोटाले पर ध्यान रहा है।

प्रियंका गांधी ने विपक्षी दलों की बिहार में बैठक को लेकर प्रधानमंत्री के उस बयान जिक्र किया जिसमें कहा कि जितनी विपक्ष की पार्टियां हैं, सबको चोर बोल डाला। इतनी बड़ी पार्टियां और उनके नेता जो जनता के मुद्दे उठाकर आगे बढ़े हैं, उनका प्रधानमंत्री ने अपमान किया। प्रियंका ने कहा कि जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां दी गई गारंटी पर अमल किया गया है। राजस्थान, हिमाचल और छत्तीसगढ़ में कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन दी जा रही है। उन्होंने राज्य के लोगों के लिए फिर पांच गारंटी का जिक्र किया, पुरानी पेंशन मिलेगी, महिलाओं के 1500 रुपये प्रतिमाह, गैस सिलेंडर 500 रुपये में, 100 यूनिट बिजली फ्री, 200 यूनिट का बिल हाफ और किसानों की कर्ज माफी, दिव्यांगो की पेंशन बढाने का वादा किया।

सारदा घोटाले में ममता से पूछताछ करने शुभेंदु ने सीबीआई को लिखा पत्र

कोलकाता । शुभेंदु अधिकारी ने सीबीआई से सारदा घोटाले में सीएम ममता से पूछताछ करने के लिए पत्र लिखा है। मिली जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने सीबीआई निदेशक को पत्र लिखकर सवाल किया कि करोड़ों रुपये के सारदा चिटफंड घोटाला मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पूछताछ के दायरे से बाहर क्यों रखा गया है। उन्होंने पत्र में लिखा कि सारदा चिटफंड घोटाले की जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है, जिसके संबंध में खराब स्थिति है, जिसके परिणामस्वरूप ऐसी प्रमुख जांच एजेंसी पर बंगाल के लोगों का विश्वास कम हो रहा है।

मीडिया में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक शुभेंदु के पत्र की प्रति में कहा गया है कि बंगाल में आम जनता का गुस्सा इस बात पर है कि सीबीआई घोटाले की सरगना का पीछा क्यों नहीं कर रही है। अब तक की जांच से यह स्पष्ट हो गया है कि ममता बनर्जी ने विभिन्न चिटफंड के प्रमुखों के साथ मिलकर पूरा घोटाला किया था। अधिकारी ने कहा कि वास्तव में, वह अपराध की आय का प्रत्यक्ष लाभार्थी हैं। शुभेंदु ने मुख्यमंत्री की पेंटिंग्स का भी जिक्र किया, जिन्हें एक चिटफंड इकाई के मालिक ने ऊंचे दामों पर खरीदा था। शुभेंदु के मुताबिक, ऐसी खरीदारी असल में मनी लॉन्ड्रिंग के लिए होती थी। पत्र में लिखा है कि सबूत सामने आने के बाद भी सीबीआई ने उन पर कार्रवाई करने और उन लाखों गरीब लोगों को न्याय देने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की, जो कुछ उच्च और शक्तिशाली लोगों के गलत कामों के परिणामस्वरूप इस घोटाले के शिकार हैं। उन्होंने यह भी मांग की कि मुख्यमंत्री के अलावा, तृणमूल प्रवक्ता कुणाल घोष से भी केंद्रीय एजेंसी द्वारा पूछताछ की जानी चाहिए, क्योंकि वह भी चिटफंड घोटाले का प्रमुख लाभार्थी था।

नीतीश कुमार बिहार छोड़ यूपी से लड़ सकते हैं लोकसभा का चुनाव

-जनता दल यूनाइटेड की उत्तर प्रदेश इकाई ने रखी मांग

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आगामी लोकसभा चुनाव यूपी से लड़ सकते हैं। इस तरह की अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि जनता दल यूनाइटेड की उत्तर प्रदेश की इकाई ने उनके यहां से चुनाव लड़ने की मांग रखी है। यूपी का संगठन चाहता कि नीतीश कुमार यहां से चुनाव लड़ेंगे तो एक बड़ा संदेश जाएगा और पार्टी के साथ विपक्षी गठबंधन को भी मजबूती मिलेगी। हालांकि जेडीयू की राष्ट्रीय परिषद् की बैठक में यह मुद्दा उठा था जिसे यूपी के संयोजक सत्येंद्र पटेल ने उठाया था। फिर इस मामले को और हवा मिली जब जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष लल्लन सिंह ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री कहां से चुनाव लड़ेंगे, इस पर अभी कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन कुछ कार्यकर्ताओं ने जेडीयू की राष्ट्रीय परिषद् की बैठक में यह मुद्दा उठाया। उनकी इच्छा है कि वो यूपी के फूलपुर, मिर्ज़ापुर से चुनाव लड़ें तो कुछ चाहते हैं कि नीतीश आंबेडकर नगर से चुनाव लड़ें। ये कार्यकर्ताओं की भावना है लेकिन इसपर समय से पहले कुछ भी कहना उचित नहीं है। जबकि जदयू के कुछ पदाधिकारी नीतीश कुमार को फूलपुर से चुनाव लड़ाने की मांग कर रहे हैं। क्योंकि फूलपुर सीट के जातीय समीकरण को देखें तो यहाँ सबसे ज़्यादा कुर्मी वोटर हैं। उसके बाद यादव, मुस्लिम और ब्राह्मण वोटरों की संख्या यहां सबसे ज़्यादा

है। खबर यह भी है कि ऐसे में नीतीश कुमार कुर्मी वोटरों के सहारे चुनाव लड़ने की रणनीति बना सकते हैं। बता दें कि इस संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू कर चुके हैं, इसलिए यह सीट हमेशा खास रही है। जानकार बताते हैं कि फूलपुर सीट कांग्रेस का गढ़ मानी जाती रही है। लेकिन बाद में सपा और बसपा भी यहाँ से चुनाव जीत चुकी है। हालांकि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने यह सीट छीन ली थी। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो नीतीश कुमार यहां से चुनाव लड़कर अपनी छवि राष्ट्रीय स्तर की बना सकते हैं। इसकी दूरी भी काशी से कम है। तो पीएम मोदी से मुकाबले के तौर पर इसे देखा जा सकता है।

हालांकि कुछ कार्यकर्ता फतेहपुर, आंबेडकर नगर का प्रस्ताव दे चुके हैं। जेडीयू के प्रदेश संयोजक सत्येंद्र पटेल के अनुसार जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हम यूपी से चुनाव लड़ने का निवेदन कर चुके हैं। इस बारे में मुख्यमंत्री से भी वार्ता की है। उनका कहना है कि नीतीश कुमार की यूपी में अपनी खुद की लोकप्रियता है और इस प्रदेश में कई चुनाव प्रचार में वह भाग ले चुके हैं। हमारा संगठन हर जिले में है। अब ब्लॉक और विधानसभा स्तर पर मजबूत करने पर जुटे हैं। इस मामले में वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक रतन मणि लाल कहते हैं कि कुछ दिनों पहले यूपी से नीतीश कुमार यूपी से चुनाव लड़ने की खबरें चली थी। क्योंकि यहां नान यादव ओबीसी का कोई बड़ा चेहरा नहीं है। जैसे कि बेनी प्रसाद वर्मा और बसपा रालोद में हुआ करते थे। 2014 और 17 के चुनाव के पहले यूपी के बॉर्डर में शराब बंदी को लेकर कई रैलियां की थी, लेकिन उनको चुनाव में कोई कामयाबी नहीं मिली। वह अपनी बिरादरी में टेस्ट करने के लिए पहले भी दांव आजमाते हैं, लेकिन जब ग्राउंड रिपोर्ट पार्टी तक पहुंचती है कि इनकी टक्कर भाजपा के अलावा सपा से भी हो जायेगी या सपा इनके पक्ष में कोई उम्मीदवार न उतारे तो कामयाबी मिल सकती है। देखना होगा कि नीतीश कुमार का इस पर किस तरह से रिएक्शन होगा।

5 सालों में देश के 30 फीसदी अन्न भंडारण का काम पैक्स करेगा : शाह

- 17 हजार पैक्स रेलवे और ट्रेन टिकट बुकिंग भी कर पाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आने वाले 5 सालों में देश के 30 फीसदी अन्न भंडारण का काम सहकारी समीतियों के पैक्स करेगा। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि पैक्स ग्रामीण आर्थिक गतिविधियों की आत्मा हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने सहकारिता मंत्रालय बनाया है। जिनके पास कम पूंजी है, सहकारिता समितियों के जरिए उनकी ये दिक्कत दूर करने का प्रयास किया गया है। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि मैं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं कि पैक्स से कामन सर्विस सेंटर (सीएससी) की सेवाओं से जोड़ा गया है। 17 हजार पैक्स रेलवे और ट्रेन टिकट बुकिंग भी कर पाएंगे, इस योजना पर काम चल रहा है। शाह ने कहा कि 'ये पीएम मोदी के दो कार्यक्रम का मेल है। सरकारी सुविधा गरीब के दरवाजे पर पहुंची है। सहकारिता मंत्रालय की स्थापना करके पीएम मोदी की सरकार ने इससे हर कमजोर तबके को जोड़ा है। सहकारिता मंत्रालय को मजबूत बनाना है, तब छोटी से छोटी इकाई को मजबूत करना होगा। शाह ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय बनने के 20 दिन के भीतर में पीएम मोदी ने 2500 करोड़ रुपये पैक्स का कंप्यूटरीकरण करने के लिए दिया।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार की छोटी-छोटी योजनाओं को सीएससी से जोड़ा गया है। आज पैक्स के इससे जुड़ाव से गरीब वर्ग को शक्ति मिलेगी। शाह ने कहा कि दो महीने में 17176 पैक्स आन बोर्ड सीएससी से जुड़ चुके हैं, 6000 ने काम करना शुरू कर दिया है, 14000 युवाओं को इससे नौकरी मिलेगी। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री शाह ने कहा कि जब देश की 65 फीसदी आबादी गांवों में बसती है, तब सहकारिता के जरिए इसतरह की भारत सशक्त होता है। शाह ने कहा कि 9 सालों में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले लोगों में 250 फीसदी की वृद्धि हुई है और डेटा की कीमत में 90 फीसदी कमी आई है। शाह ने कहा कि 60 करोड़ लोगों के जीवन को सुधारने का काम पीएम मोदी ने किया है। 60 करोड़ लोग जो अपने जीवन-यापन के लिए संघर्ष करते थे, आज वे जन-धन योजना से जुड़ चुके हैं।

इस्तीफे के सवाल पर बोले एन बीरेन सिंह, मेरा काम राज्य में शांति लाना, हम किसी को नहीं बख्शेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले 2 महीनों से हिंसा की चपेट में रहे मणिपुर का एक वीडियो वायरल होने के बाद से बवाल और बढ़ गया है। इसको लेकर राजनीति गर्म हो गई है। हालांकि, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की बात की जा रही है। लेकिन विपक्षी लगातार भाजपा पर निशाना साध रहे हैं। इतना ही नहीं, विपक्षी दलों की ओर से मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का इस्तीफा भी मांगा जा रहा है। हालांकि एन बीरेन सिंह ने साफ तौर पर कहा है कि मेरा काम राज्य में शांति स्थापित करना है और मैं इस काम को कर रहा हूं। किसी भी उपद्रवी तत्व को हम नहीं छोड़ेंगे।

आज अपने बयान में एन बीरेन सिंह ने कहा कि घटना को लेकर राज्य भर में लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरोपी नंबर एक, जिसे पहले गिरफ्तार किया गया था, कल उसका घर महिलाओं ने जला दिया था। उन्होंने कहा कि मणिपुर का समाज महिलाओं के खिलाफ अपराध के खिलाफ है। वे महिलाओं को अपनी मां मानते हैं। यह विरोध आरोपियों को सजा दिलाने के लिए सरकार का समर्थन करने के लिए है। मणिपुर में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर अपने इस्तीफे की मांग पर प्रतिक्रिया देने के लिए पूछे जाने पर, सीएम एन बीरेन सिंह कि मैं इसमें नहीं जाना चाहता। मेरा काम राज्य में शांति लाना है। समाज में उपद्रवी हर जगह हैं लेकिन हम उन्हें नहीं छोड़ेंगे।'

3 से 6 महीने में पूरा हो सकता है सर्वे, शिवलिंग मामले पर 29 अगस्त को सुनवाई

जयपुर (एजेंसी)। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि कोर्ट ने एएसआई सर्वे का आदेश दे दिया है। हमारा कहना था कि उस पूरे क्षेत्र का एएसआई द्वारा सर्वेक्षण करना चाहिए। आज कोर्ट ने हमारे उस आवेदन पर सहमति दे दी है और अब एएसआई ही इस मामले की दिशा और दशा को निर्धारित करेगा। शिवलिंग का सर्वेक्षण नहीं होगा। उसका मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है जिसकी अगली सुनवाई 29 अगस्त को है। मगर शिवलिंग को छोड़कर पूरे परिसर का सर्वेक्षण होगा।

3 से 6 महीने में पूरा हो सकता है सर्वे

ज्ञानवापी मस्जिद मामले में हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे विष्णु शंकर जैन ने कहा कि मुझे सूचित किया गया है कि मेरा आवेदन मंजूर कर लिया गया है और अदालत ने वजू टैंक को छोड़कर, जिसे सील कर दिया गया है, ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का एएसआई सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया है। मुझे लगता है कि सर्वेक्षण 3 से 6 महीने के भीतर पूरा किया जा सकता है। वहीं ज्ञानवापी मामले में हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने कहा कि कोर्ट ने एएसआई सर्वेक्षण के लिए हमारे प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर लिया गया है। यह मामले में एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

उत्तर प्रदेश में वाराणसी की एक अदालत ने शुक्रवार को काशी विश्वनाथ मंदिर के निकट स्थित मां श्रृंगार गौरी-ज्ञानवापी मस्जिद मामले में हिंदू पक्ष की मांग को स्वीकार करते हुए पूरे ज्ञानवापी परिसर की पुरातात्विक एवं वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराने की अनुमति दी है। ज्ञानवापी और आदि विश्वेश्वर मामलों के विशेष अधिवक्ता राजेश मिश्रा ने बताया कि वाराणसी के जनपद न्यायाधीश ए के विश्वेश ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया।

सीमा हैदर का मामला राष्ट्रपति भवन तक पहुंचा, सचिन के पिता ने भारतीय नागरिकता की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीमा हैदर के मामले में ताजा घटनाक्रम में उसके प्रेमी सचिन मीना के पिता अब राष्ट्रपति भवन पहुंचेंगे और उसके लिए भारतीय नागरिकता की मांग करेंगे। खबर है कि सीमा के बॉयफ्रेंड सचिन के पिता अपने वकील के साथ राष्ट्रपति भवन के लिए रवाना हो हुए है। सीमा हैदर ने सचिन मीना से अपने कथित प्रेम के कारण पाकिस्तान से अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया।

सीमा हैदर (30) और सचिन मीना (22) को सबसे पहले स्थानीय पुलिस ने 4 जुलाई को ग्रेटर नोएडा से गिरफ्तार किया था, लेकिन 7 जुलाई को एक अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। सीमा मई में अपने चार बच्चों के साथ नेपाल के रास्ते भारत में दाखिल हुई थी। इस साल की शुरुआत में नेपाल में शादी करने का दावा करने वाला यह जोड़ा पहली बार 2019 में ऑनलाइन गेम क्क्क के जरिए संपर्क में आया था।

इस बीच, उत्तर प्रदेश पुलिस आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) के साथ सीमा हैदर से अभी भी पूछताछ कर रही है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तानी नागरिक सीमा हैदर से जुड़े मामले की जांच जारी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने भी संवाददाताओं से कहा, 'हमें इस मामले की जानकारी है। वह कोर्ट में पेश हुईं और उन्हें (सीमा हैदर) कोर्ट से जमानत मिल गई है और वह जमानत पर बाहर हैं। इस मामले में जांच चल रही है। यह न्यायिक मामला है और जांच जारी है, इसलिए मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता।'

वहीं सीमा ने कहा है कि वह पाकिस्तान वापस नहीं जाना चाहती और अपने भारतीय प्रेमी सचिन मीणा के साथ रहना चाहती है।

केंद्रीय जांच एजेंसियों ने पाकिस्तानी नागरिक सीमा हैदर के भारत में अवैध प्रवेश के मामले की जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को नोएडा पुलिस के साथ बैठक की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह बैठक उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते द्वारा सोमवार और मंगलवार को सीमा और उसके भारतीय साथी सचिन मीना से पूछताछ के मद्देनजर हुई है।

एक आधिकारिक सूत्र ने बताया, ''सीमा हैदर मामले की जांच के सिलसिले में केंद्रीय जांच एजेंसियों के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार की सुबह नोएडा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की।'' जहां उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते ने जहां युगल से दो दिनों तक पूछताछ की है, वहीं नोएडा पुलिस अलग से इस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा पुलिस ने अभी आरोप पत्र दाखिल नहीं किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''अब तक की जांच के अलावा, पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि सीमा के वास्ते फर्जी आधार कार्ड बनवाने के लिए सचिन ने कौन से पहचान पत्र जमा किए थे।'' अधिकारी ने कहा, ''पुलिस जांच चल रही है, और जांच प्रक्रिया पूरी होने तथा सबूत एकत्र होने के बाद मामले में आरोप पत्र दायर किया जाएगा।''

पाकिस्तान के सिंध प्रांत की रहने वाली सीमा हैदर 13 मई को बस से नेपाल के रास्ते अपने चार बच्चों के साथ अवैध रूप से भारत में दाखिल हुई थी। उसका कहना है कि वह अपने भारतीय प्रेमी सचिन मीणा के साथ रहने आई थी, जो ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा इलाके में रहता है। स्थानीय पुलिस ने चार जुलाई को सीमा को अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया था और सचिन को अवैध प्रवासियों को शरण देने के लिए गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, उन दोनों को सात जुलाई को एक स्थानीय अदालत ने जमानत दे दी थी और वे अपने चार बच्चों के साथ रबूपुरा इलाके के एक घर में रह रहे हैं।

सीमा ने यह भी कहा है कि वह पाकिस्तान वापस नहीं जाना चाहती और सचिन के साथ रहना चाहती है। उसने यह भी दावा किया कि वह हिंदू बन गई है। इस सप्ताह एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों ने देश की सरकार को सूचित किया है कि ''प्यार'' ही वह ''एकमात्र'' कारक है जिसके कारण चार बच्चों की मां एक हिंदू व्यक्ति के साथ रहने के लिए भारत में दाखिल हुई। युवक से उसकी दोस्ती एक ऑनलाइन गेम प्लेटफॉर्म के माध्यम से हुई थी।

भारतीय मूल के 15 लोगों गिरफ्तार, कनाडा में वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, 92 लाख डॉलर बरामद

टोरंटो । कनाडा पुलिस ने भारतीय मूल के 15 लोगों को गिरफ्तार कर वाहन चोरी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इनसे कुल 92 लाख कनाडाई डॉलर की संपत्ति बरामद की गई जिनमें 69 लाख कनाडाई डॉलर मूल्य के चोरी के वाहन और 22 लाख कनाडाई डॉलर मूल्य के चोरी के ट्रैक्टर-ट्रेलर शामिल हैं। पील रीजनल पुलिस ने बुधवार को बताया कि पील रीजनल नगरपालिका क्षेत्र और ग्रेटर टोरंटो एरिया में कई ट्रैक्टर-ट्रेलर और वाहनों की चोरी की घटनाओं की जांच के लिए मार्च में एक संयुक्त कार्यबल का गठन किया गया था। जांच में इसे प्रोजैक्ट बिग रिंग का नाम दिया गया और इस गिरोह का भंडाफोड़ कर विभिन्न शहरों से भारतीय मूल के 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों की आयु 22 से 45 वर्ष के बीच है। चोरी के वाहनों में व्यावसायिक मालवाहक वाहन, एटीवी और अन्य वाहन शामिल हैं।

घर के बाहर जली हुई मिली सिखों की पवित्र पुस्तक गुटका साहिब

लंदन । ब्रिटेन में एक घर के बाहर सिखों की पवित्र पुस्तक गुटका साहिब जली हुई अवस्था में मिली है। जानकारी मिलते ही पुलिस ने उस घटना की जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि इंग्लैंड के लीड्स में एक सिख पवित्र पुस्तक को आग लगा दी गई थी और एक समुदाय के सदस्य के घर के बाहर कूड़ेदान में फेंक दिया गया था। एक बुजुर्ग सिख व्यक्ति और उसकी बेटी को 12 जुलाई को सेंट ऐनीज़ रोड, हेडिंग्ले में अपने घर के बाहर जला हुआ और फटा हुआ गुटका साहिब मिला। वे जले हुए धर्मग्रंथ को गुरुद्वारा साहिब मंदिर में ले आए, इसके बाद समुदाय के एक सदस्य ने स्थानीय पुलिस से संपर्क किया। इस मामले में पुलिस ने कहा कि उन्हें शाम 5.03 बजे हेडिंग्ले इलाके में हुई एक घटना की रिपोर्ट 16 जुलाई को.मिली। वेस्ट यॉर्कशायर पुलिस ने 18 जुलाई को साझा किए गए एक बयान में कहा कि स्थानीय सिख समुदाय के एक प्रतिनिधि ने बताया कि सेंट ऐनीज़ रोड में एक सिख समुदाय के सदस्य के घर के बाहर एक पवित्र पाठ क्षतिग्रस्त पाया गया था। पुलिस ने कहा कि नस्लीय या धार्मिक रूप से गंभीर आपराधिक क्षति के लिए अपराध दर्ज किया गया है और घटना की पूरी परिस्थितियों का पता लगाने के लिए पूछताछ जारी है। लीड्स डिस्ट्रिक्ट कमांडर मुख्य अधीक्षक स्टीव डोड्स ने कहा कि इस तरह का कोई भी अपराध, जिसे पीड़ित या कोई अन्य व्यक्ति अपनी जाति या धर्म के प्रति शत्रुता या पूर्वाग्रह से प्रेरित मानता है, उसे घृणा अपराध माना जाता है और हम इस प्रकृति की सभी घटनाओं को बहुत गंभीरता से लेते हैं। लीड्स जिला सीआईडी के जासूसों द्वारा जांच शुरू की गई है, जो घटना की पूरी परिस्थितियों और अपराध के पीछे की मंशा को लेकर व्यापक पूछताछ कर रहे हैं।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को है भूलने की अजीब आदत, हुए परेशान

नोवगोरोद । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भूलने की अजीब बीमारी के चलते परेशान होना पड़ रहा ?है। इस तरह से पुतिन के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें लगातार बढ़ती जा रहीं हैं। जबकि क्रेमलिन ने जोर देकर कहा है कि रूसी राष्ट्रपति का स्वास्थ्य अच्छी स्थिति में हैं। जबकि एक बार फिर एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान पुतिन की भूलने की आदत फिर सामने आ गई। जिससे लोगों को कयासबाजी का मौका मिल गया। रूसी राष्ट्रपति इस दौरान एक डिप्टी मेयर के बच्चे की उम्र को लेकर भ्रमित हो गए। क्रेमलिन में हुई एक बातचीत के दौरान भूलने की आदत ने एक बार फिर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें तेज कर दीं। पुतिन को डिमेंशिया होने की अफवाह फैलते ही क्रेमलिन ने जोर देकर कहा है कि रूसी राष्ट्रपति का स्वास्थ्य अच्छा है। ब्लॉगर उलियाना याप्पारोवा द्वारा ट्वीट की गई एक क्लिप में व्लादिमीर पुतिन को इवान शटोकमैन के साथ बात करते हुए दिखाया गया है। इवान शटोकमैन को अपने बिजनेस में सफलता के बारे में बात करते हुए एक सैन्य वर्दी में देखा गया। जिसने उन्हें निज्नी नोवगोरोद शहर का डिप्टी मेयर बनने के लिए प्रेरित किया। इसी तरह यूक्रेन युद्ध के बीच सेना में शामिल होने के अपने फैसले के बारे में बताते हुए उन्होंने व्लादिमीर पुतिन से कहा कि देश का भविष्य अब तय किया जा रहा है। जबकि इससे रूसी राष्ट्रपति प्रभावित दिखे। फिर उन्होंने कहा कि आखिर में इसमें सबसे महत्वपूर्ण चीज है, इस देश के लिए समर्पण। यह हमारे बच्चों और आपके बच्चों के भविष्य के लिए एक संघर्ष है। इसके बाद व्लादिमीर पुतिन ने उनके बच्चों की उम्र पूछी। इवान शटोकमैन ने जवाब दिया कि सबसे छोटा नौ साल का है और बड़ा 23 साल का है। इस पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने मोर्चे पर जाने के इवान शटोकमैन के फैसले की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपका छोटा बच्चा तीन साल का है। हाल ही में रूसी राष्ट्रपति पुतिन को एक ऑनलाइन चर्चा करते हुए देखा गया। जहां उन्होंने यूक्रेन में सैनिकों की मौत के बारे में इरकुत्स्क के गवर्नर इगोर कोबजेव की खबर पर तीखी प्रतिक्रिया दी। जब इगोर कोबजेव ने अपने क्षेत्र के सैनिकों के बारे में बात की, तो व्लादिमीर पुतिन ने तुरंत जवाब दिया कि उन्हें मेरा सलाम। इस तरह से उनकी भूलने की आदत से लोग वा ?किफ भी हो रहे हैं।

रूस के हमलों की तैयारी से 60 हजार टन अनाज हुआ बेकार

वाशिंगटन। रूस के हमलों की तैयारी से 60 हजार टन अनाज खराब होने के समाचार मिल रहे हैं। दरअसल यूक्रेन से दुनियाभर के देशों में खाद्यान्न आपूर्ति

की अनुमति देने वाले समझौते से रूस के पीछे हटने के कुछ दिन बाद अमेरिका ने सचेत किया कि रूसी सेना काला सागर में असैन्य पोतों पर संभावित हमले की तैयारी कर रही है। काला सागर अनाज समझौते से इस सप्ताह बाहर आने के बाद रूस ओडेसा में यूक्रेन के अनाज निर्यात बंदरगाहों पर मिसाइल और ड्रोन से पहले ही हमले कर चुका है। इन हमलों में लगभग 60,000 टन अनाज नष्ट हो गया है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एडम हॉज ने एक बयान में कहा कि हमारी जानकारी से संकेत मिलता है कि रूस ने यूक्रेनी बंदरगाहों के रास्ते में अतिरिक्त समुद्री खदानें बिछाई हैं। प्रवक्ता ने कहा कि हमारा मानना है कि यह काला सागर में असैन्य पोतों के खिलाफ किसी भी हमले को उचित ठहराने और इन हमलों के लिए यूक्रेन पर दोष मढ़ने का एक समन्वित प्रयास है। रूस के समझौते से बाहर आने के बावजूद यूक्रेन ने खाद्यान्न की ढुलाई जारी रखने का संकल्प लिया है। इसके बाद रूसी रक्षा मंत्रालय ने काला सागर के उत्तर-पश्चिमी और दक्षिणपूर्वी हिस्सों में अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र को जहाजरानी के लिए अस्थायी रूप से खतरनाक घोषित किया है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से भारतीय मूल की छात्रा घायल

ह्यूस्टन । एक भारतीय मूल की छात्रा आकाशीय बिजली की चपेट में आने से घायल हो गई है। जानकारी के अनुसार अमेरिका के ह्यूस्टन विश्वविद्यालय (यूएच) में पढ़ने वाली भारतीय मूल की छात्रा पर आकाशीय बिजली गिरने से उसके मस्तिष्क को क्षति पहुंची है और अस्पताल में उसका इलाज किया जा रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, सुसरून्या कोडुरु यूएच में सूचना प्रौद्योगिकी की पढ़ाई कर रही है। दो जुलाई को जब वह सैन जैकिंटो स्मारक पार्क में अपने दोस्तों के साथ तालाब के किनारे घूम रही थी तभी उस पर आकाशीय बिजली गिर गई। सुसरून्या कोडुरु के चचेरे भाई सुरेंद्र कुमार कोठा ने बताया कि आकाशीय बिजली की चपेट में आने के साथ ही वह तालाब में जा गिरी। इसके बाद उसे दिल का दौरा भी पड़ गया और उसके मस्तिष्क को भी क्षति पहुंची है। कोठा ने कहा कि अभी उसे दीर्घकालीन और जरूरी चिकित्सा देखभाल की जरूरत है। हालांकि भारत में रहने वाले कोडुरु के माता-पिता उसे अपने पास लाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि उसे जल्दी स्वस्थ होने में मदद मिल सके। पिता सुरेंद्र ने कहा, कि उसकी देखभाल के लिए उसे हवाई मार्ग से भारत में परिवार के पास ले जाने में मदद की जरूरत है। उसके सहयोगियों ने उसके इलाज में मदद करने और उसे अपने परिवार से मिलाने के लिए ऑनलाइन अभियान भी चलाया गया है।

नैरोबी में वन केन्या अलायंस संगठन ने टेक्स बढ़ाने के विरोध में पदर्शन किया। इस दौरान कई जगहों पर आगजनी भी हुई।

ज़ेलेंस्की को नहीं रास आई अपनी आलोचना, ब्रिटेन में यूक्रेन के राजदूत को कर दिया बर्खास्त

कीव। राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने शुक्रवार को ब्रिटेन में यूक्रेन के राजदूत वादिम प्रिस्टाइको को पद से बर्खास्त कर दिया, जिसके कुछ दिनों बाद दूत ने सार्वजनिक रूप से राष्ट्रपति की आलोचना की। एक राष्ट्रपति आदेश में कहा गया कि प्रिस्टाइको को अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन में यूक्रेन के प्रतिनिधि के रूप में भी हटा दिया गया था। उन्होंने बर्खास्तगी का कोई कारण नहीं बताया। पिछले सप्ताह स्काई न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में प्रिस्टाइको से निवर्तमान ब्रिटिश रक्षा सचिव बेन वालेस की उस टिप्पणी के बारे में पूछा गया था जिसमें उन्होंने सुझाव दिया था कि कीव को रूस की कब्जे वाली ताकतों से लड़ने के लिए अपने सहयोगियों से हथियारों की आपूर्ति के लिए अधिक आभार व्यक्त करना चाहिए। ज़ेलेंस्की ने जवाब देते हुए कहा कि यूक्रेन हमेशा अपने कट्टर सहयोगी ब्रिटेन का आभारी है। ब्रिटिश मीडिया ने उन्हें यह कहते हुए भी उद्धृत किया कि वालेस उन्हें बता सकते हैं कि उन्हें अपना आभार कैसे व्यक्त करना है या फ्रहम सुबह उठकर मंत्री के प्रति कृतज्ञता के अपने शब्द कैसे व्यक्त कर सकते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या ज़ेलेंस्की व्यंग्यात्मक थे, प्रिस्टाइको ने स्काई को बताया कि 'थोड़ा व्यंग्य' था जब राष्ट्रपति ने कहा कि हर सुबह वह उठेंगे और बेन वालेस को धन्यवाद देने के लिए बुलाएंगे। ज़ेलेंस्की के आदेश में यह नहीं बताया गया कि 53 वर्षीय अनुभवी राजनयिक और पूर्व उप प्रधान मंत्री प्रिस्टाइको की जगह कौन लेगा, जिन्होंने तीन साल तक ब्रिटेन में राजदूत के रूप में पद संभाला था।

पनी जमीन का इस्तेमाल किसी देश के खिलाफ नहीं होने देगा,

अफगान मंत्री ने इधर किया वादा, उधर टीटीपी ने पाकिस्तानी पुलिस चौकी उड़ा दी

इंटरनेशनल डेस्क।। सीमा पार से बढ़ते हमलों के बीच अफगानिस्तान के लिए पाकिस्तान के विशेष दूत आसिफ दुर्रानी से अफगान विदेश मंत्री मावलवी अमीर खान मुत्ताकी ने मुलाकात की है। वहीं अफगानी मंत्री ने कहा है कि उनकी सरकार क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए काम करेगी। तालिबान को मनाने के लिए पाकिस्?तान सरकार ने विशेष दूत काबुल भेजा है। लेकिन टीटीपी आतंकियों ने एक पुलिस चौकी पर भीषण हमला करके उसे तबाह कर दिया। पश्चिमोत्तर पाकिस्तान के एक अशांत कबाइली जिले में बृहस्पतिवार को प्रतिबंधित पाकिस्तानी तालिबान के दो आत्मघाती हमलावरों द्वारा एक तहसील भवन परिसर में किए गए दोहरे धमाकों में चार पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, और कई अन्य घायल हो गए।

मुत्ताकी ने तालिबान शासन के तहत अफगानिस्तान की स्थिरता पर इस्लामाबाद में बढ़ती चिंताओं के समय मई में अपने वर्तमान पद पर नियुक्त अनुभवी राजनयिक दुर्रानी के साथ बातचीत की। सीमा पर बढ़ती हिंसा और पाकिस्तानी तालिबान - प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान द्वारा आतंकवादी हमलों में तेज वृद्धि के कारण दोनों पड़ोसियों के बीच तनावपूर्ण संबंध हैं, जिसके बारे में इस्लामाबाद का कहना है कि 2021 में अफगान तालिबान के अधिग्रहण से उसका हौसला बढ़ गया है। बैठक के दौरान, मुत्ताकी ने दुर्रानी से कहा कि अफगान कभी किसी को नुकसान

नहीं पहुंचाएंगे। हम किसी को भी अपनी धरती का इस्तेमाल दूसरे देश के खिलाफ नहीं करने देंगे। तालिबान के इस वादे के ठीक बाद ही टीटीपी आतंकियों ने आत?मघाती हमला करके पुलिस चौकी को उड़ा दिया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ये विस्फोट तब हुए जब पुलिस पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर की सीमा से लगे खैबर कबाइली जिले में बारा तहसील भवन में प्रवेश करने वाले लोगों की जांच कर रही थी। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने तहसील भवन के अंदर स्थित एक थाने को निशाना बनाया, जिसके बाद पुलिस बलों और आतंकवादियों के बीच जबरदस्त गोलीबारी हुई। उन्होंने बताया कि विस्फोट की वजह से आसपास की इमारतें भी क्षतिग्रस्त हो गईं।

भीषण गर्मी के कारण अमेरिका के अमीर शहर शिकागो में मंडराया खतरा

-जलवायु परिवर्तन का हो रहा असर, अनेक स्थानों पर खिसक रही है जमीन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के सबसे अमीर शहर शिकागो पर इन दिनों खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। यहां जलवायु परिवर्तन के कारण भीषण गमी का ऐसा असर हो रहा है कि जमीन खिसकने की तौबत आ रही है। वैज्ञानिकों के अनुसार हमारे धरातल के नीचे तापमान बढ़ रहा है जिससे भूमिगत जलवायु परिवर्तन की अवधारणा को बल मिल रहा है लेकिन हमारा बुनियादी ढांचा इस हिसाब से तैयार नहीं किया गया है। इस समय जमीन खतरनाक रफ्तार से गर्म हो रही है और अनुसंधानकर्ताओं ने यह तापमान वृद्धि प्रति दशक 0.1 से 2.5 डिग्री सेल्सियस मापी है।शिकागो शहर में इमरातों, मल्टीलेवल सड़कों और सबवे से लेकर रेलवे लाइन के नीचे तक की जमीन धंस रही है। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर एलेसेंड्रो रोटा लोरिया ने कहा कि तापमान में बदलाव के परिणामस्वरूप जमीन खराब हो रही है, और कोई भी मौजूदा नागरिक संरचना या बुनियादी ढांचा इन बदलावों के बारे में सोचकर डिजाइन नहीं किया गया है। इससे इमारत की नींव और आसपास की जमीन अत्यधिक हिल जाती है और कभी-कभी इसमें दरार पड़ जाती हैं, जिससे संरचनाओं के टिकाऊपन पर असर पड़ता है।

शोधकर्ताओं ने शिकागो के सेंसर-प्राप्त तापमान के आंकड़ों पर सिमुलेशन का उपयोग कारने पर पाया कि गर्म तापमान के कारण जमीन में 12 मिलीमीटर तक विस्तार हुआ और इमारत के वजन के नीचे 8 मिमी तक संकुचन और धंसाव हुआ है। दुष्प्रभावों को लेकर दावा किया जा रहा है कि भूमिगत जलवायु परिवर्तन के कारण भूजल प्रदूषण या भूमिगत रेलवे में समस्याएं पैदा हो सकती हैं, जिससे पटरियों में सिकुड़न हो सकती है या अत्यधिक गर्मी के कारण यात्री बीमार पड़ सकते हैं। गौरतलब है कि अमेरिका के सबसे बड़े शहरों में से एक है शिकागो में कई करोड़पति और अरबपति रहते हैं। अमीरों की लिस्ट में शिकागो सांतवे नंबर पर है. इस शहर में 1,60,100 करोड़पति हैं और इस शहर में 7,400 मल्टी-मिलेनियर हैं. जबकि, इस शहर में 340 सेंटी-मिलेनियर और 28 अरबपति हैं।

मुहर्रम की शुरुआत होते ही आतंकी हमले तेज, तीन पुलिसकर्मी व एक नागरिक की मौत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में मुहर्रम का महीना शुरू होते आतंकवादी हमले तेज हो गए हैं। जानकारी के अनुसार खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत और उसके आसपास के आदिवासी इलाकों में आतंकवादी हमलों में तीन पुलिसकर्मी व एक नागरिक की मौत हुई है। पुलिस के अनुसार, पुलिस की वर्दी पहने दो आत्मघाती हमलावर एक कार में सवार होकर बारा में तहसील कार्यालय परिसर में पहुंचे और कंटीले तारों की बाड़ को काटकर परिसर में घुस गए। एक प्रांतीय पुलिस अधिकारी ने कहा कि जैसे ही अतिरिक्त घुसपैठियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर गोलियां चलाईं, दो आत्मघाती हमलावरों ने मुख्य द्वार से परिसर में प्रवेश करने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में, वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने आत्मघाती हमलावरों पर गोलियां चला दीं, इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने कहा कि गोलीबारी के कारण दोनों आत्मघाती हमलावरों के विस्फोटकों से भरे जैकेट में विस्फोट हो गया, इसके परिणामस्वरूप कार्यालय की इमारत का एक हिस्सा ढह गया।

इसके बाद हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) आतंकवादी समूह के एक गुट जमात-उल-अहरार ने ली थी। यह घटना पेशावर के रेगी मॉडल टाउन इलाके में घटी है। हालांकि एक हमले में दो पुलिसकर्मियों के मारे जाने और दो अन्य के घायल होने के कुछ ही घंटों बाद ही जिम्मेदारी ले ली गई है। टीटीपी ने हमले की जिम्मेदारी ली है। हमलों के मद्देनजर, अधिकारियों ने देश भर में मुहर्रम जुलूस के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तानी सेना के जवानों की तैनाती की घोषणा की है। सिंध, बलूचिस्तान, केपी और पंजाब प्रांतों के साथ-साथ गिलगित-बाल्टिस्तान (जीबी) और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के अधिकारियों ने आधिकारिक तौर पर सरकार से कानून और व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना तैनात करने का अनुरोध किया है।

किम जोंग उन पर रेडिएशन नदारत, करने जा रहे हैं परमाणु परीक्षण

-वैज्ञानिकों की चेतावनी के बावजूद भी कोई असर नहीं, सारी तैयारियां पूरी

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन अब रेडिएशन को नदारत करते हुए परमाणु परीक्षण करने की तैयारी में हैं। इसके लिए उन्होंने परमाणु विशेषज्ञों की चेतावनी को भी नहीं मानने की ठान ली है। जानकारी के मुताबिक अमेरिका से तनाव के बीच उत्तर कोरिया परमाणु परीक्षण करने जा रहा है। तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी सेना को परीक्षण की तैयारियां पूरी रखने के लिए कहा है। इस बीच परमाणु विशेषज्ञों का कहना है कि अगर उत्तर कोरिया कोई परमाणु परीक्षण करता है तो उससे रेडिएशन का खतरा पैदा हो सकता है। उनका दावा है कि उत्तर कोरिया का अंडरग्राउंट न्यूक्लियर टेस्ट रूम परमाणु परीक्षण के बाद पैदा हुए रेडिएशन को रोकने में सक्षम नहीं है। उत्तर कोरिया ने अब तक छह परमाणु परीक्षण किए हैं। इनमें सबसे पहला 9 अक्टूबर 2006 और अंतिम वाला 9 सितंबर 2017 में किया गया था। पहला परमाणु परीक्षण दो किलोटन का था, जबकि अंतिम में हाइड्रोजन बम परीक्षण का दावा किया गया था

इस मामले में उत्तर कोरिया के विशेषज्ञ जैकब बोगल ने बताया कि जैसे ही किम जोंग-उन आदेश देंगे, वैसे ही पुंग्ये-री में साइट तैयार हो जाएगी। पुंग्ये-री उत्तर कोरिया का परमाणु परीक्षण स्थल है। उन्होंने कहा कि किम ने आखिरी बार 2017 में परीक्षण के लिए पुंग्ये-री साइट पर बड़ा लाल बटन दबाया था। तब परमाणु विस्फोट के कारण करीब 20 छोटे-छोटे भूकंप आए थे। इन भूकंपों ने पहले से ही कमजोर हो चुके अंडरग्राउंट न्यूक्लियर टेस्टिंग रूम को अस्थिर कर दिया था। ऐसे में डर है कि अगर एक और परमाणु परीक्षण होता है, तो रिपेयर कर काम लायक बनाई गईं विस्फोट वाली सुरंगें परमाणु बम की ताकत का सामना करने में सक्षम नहीं होंगी। इससे उनमें पड़ी दरारों के माध्यम से रेडिएशन फैल सकता है, जिससे लोग खतरे में पड़ जाएंगे। जॉर्डन बोगल ने कहा कि अमेरिका और दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने आकलन किया है कि पुंग्ये-री पिछले साल से एक और भूमिगत परमाणु परीक्षण करने के लिए तैयार है।

हालांकि, साइट की हालिया सैटेलाइट तस्वीरों की समीक्षा करने पर ऐसे कोई संकेत नहीं हैं कि उत्तर कोरिया तुरंत कोई परमाणु परीक्षण करने जा रहा है। लेकिन क्षेत्र का रखरखाव किया जा रहा है और किम जोंग उन के आदेश देते ही यह परीक्षण के लिए तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि नए वारहेड डिजाइनों को वैलिडेट करने के लिए उत्तर कोरिया के लिए सातवां परमाणु परीक्षण आवश्यक है। ऐसे में एक परमाणु परीक्षण की उम्मीद की जा रही है, लेकिन इसके लिए समय सीमा फिलहाल अज्ञात है। वहीं अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के पूर्व महानिदेशक ओली हेइनोनेन ने सहमति जताते हुए कहा कि उत्तर कोरिया के सुरंग तीन की मरम्मत की गई है और शायद यह परीक्षण के लिए तैयार है।

रूस के साथ डबल गेम खेल रहा पाकिस्तान? मुंह पर ना-ना लेकिन तीसरे देश के जरिए यूक्रेन को कर रहा हथियारों की सप्लाई

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भुखमरी की जिंदगी काट रहे पाकिस्तान में परमाणु बम बेचने की मांग उठ रही थी। अब खबरें आ रही हैं कि पाकिस्तान यही खतरनाक खेल खेल सकता है। मीडिया में खबरें आई कि पाकिस्तान ने बड़ी मात्रा में यूक्रेन को हथियार बेचने का फैसला किया। खबरें तो तो इस बात को लेकर भी आई कि पाकिस्तान अपना डर्टी न्यूक्लियर बम भी यूक्रेन को बेच सकता है। पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए यूक्रेन के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो से मिलने के लिए इस्लामाबाद पहुंचे। बता दें कि पाकिस्तान को रूस ने संकट के समय सहायता की थी। ऐसे में यूक्रेन के विदेश मंत्री की इस यात्रा को लेकर रूस नाराज दिख रहा है।

हालांकि पाकिस्तान रूस की नाराजगी मोल नहीं लेना चाहता है। इसलिए उनसे शुरू से ही पूरे मामले पर सफाई देनी शुरू कर दी है। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान यूक्रेन को हथियार और गोला-बारूद की आपूर्ति नहीं कर रहा है। हालांकि कई रिपोर्ट्स ये कह रही है कि पाकिस्तान सीधे तौर पर नहीं, बल्कि किसी तीसरे देश के जरिए यूक्रेन तक हथियार पहुंचा रहा है। पाकिस्तानी मीडिया की माने तो यूक्रेन के विदेश मंत्री चाहते हैं कि पाकिस्तान अपना न्यूट्रल स्टैंड छोड़ यूक्रेन का साथ दें।

वहीं रूस नाराज न हो जाए इसलिए पाकिस्तानी विदेश मंत्री सफाई देते फिर रहे हैं। बिलावल भुट्टो ज़रदारी ने यूक्रेनी समकक्ष दिमित्रो कुलेबा के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता में यह टिप्पणी की। इससे पहले दोनों नेताओं ने आपसी और द्विपक्षीय हितों के मामलों पर विस्तृत बातचीत की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा की और पाकिस्तान ने यूक्रेन के विदेश मंत्री के साथ मौजूदा स्थिति पर अपनी गहरी चिंता साझा की और जनहानि और भारी मानवीय पीड़ा पर अपनी संवेदना व्यक्त की। एक सवाल के जवाब में ज़रदारी ने कहा, पाकिस्तान यूक्रेन को कोई हथियार नहीं मुहैया करा रहा है।

संपादकीय

दिलचस्प तथ्य

एक समय था कि व्यक्ति अतिमितव्यता में भी अपने परिवार का लालन-पालन बड़े प्रेम से कर लेता था और अपनी आमदनी में से कुछपैसे बचा कर अपने बच्चों के लिये गहने और जायदाद आदि भी आराम से जोड़ लेता था।वो समय था सादा जीवन उच्च विचार केजीवन का जिससे उस समय इंसान बहुत सुखी और खुशहाल था।बड़ा और भरा पुरा परिवार होनेके बावजूद मन में कभी किसी के किसीभी चीज़ की कमी हीं लगती थी।बड़ों के प्रति आदर और पारिवारिक सदस्यों में बहुत प्रेम आदि था। अब जमाना तो बदला ही पर साथमें इंसान की सोच भी वैसे ही इस प्रवाह में बदल गयी । इस आर्थिक उन्नति के पीछे भागते - भागते हुये इंसान रिश्तों की सारी मर्यादाभूल गया। आज हमको देखने को मिलता है कि अमुक व्यक्ति ने अपने पिता की जायदाद हासिल करने के लिए बाप-बेटे के रिश्ते कोतार-तार करते हुये स्वयं को जन्म देने वाले और उसकी परवरिश करने वाले माँ-बाप को एक मिनिट में मौत के घाट उतार देता है।इंसानने भौतिक सम्पदा बहुत इकट्ठा की होगी और करेंगे भी पर उनकी साथ में भावनात्मक सोच का स्तर भी उसी तेजी से लगातार गिरते जारहा है।जो प्रेम-आदर अपने परिवार में बड़ों - छोटो आदि के प्रति पहले था वो आज कंहा है ? आज के युग में इंसान का यही सोच सबजगह होते जा रहा है कि बाप बड़ा ना भैया सबसे बड़ा रुपैया । अगर हमारी सीखने की इच्छा हो और हमारा नजरिया सही हो तो हरचीज से हमे जीवन में शिक्षा मिलती है ।घड़ी को ही देखिये वह रुकती नहीं है अगर रूक गरी तो खटारा है वैसे ही समय भी रूकता नहीं हैसमय के साथ चलते रहिये ।समय पिछले पर का भूतकाल वह अगला पर भविष्य होगा ।जिंदगी में समय व नियम के अनुरूपआध्यात्मिकता के साथ चलिये सफलता हमको अवश्य मिलेगी और आत्मा का अन्तिम लक्ष्य मोक्ष को जल्द से जल्द प्राप्त करेंगे ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
वृषभ	पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
मिथुन	सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।
कर्क	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
तुला	राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृश्चिक	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
कुम्भ	व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यो में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है।

रोजगार के अवसर रोकेंगे गरीबी की रफ्तार

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 11 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (ओपीएचआई) द्वारा वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) की रिपोर्ट जारी की गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में पिछले 15 वर्षों में गरीबी में उल्लेखनीय रूप से कमी आई है। भारत में 2005-2006 से 2019-2021 के दौरान कुल 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। 2005-2006 में जहां गरीबों की आबादी 55.1 प्रतिशत थी वह 2019-2021 में घटकर 16.4 प्रतिशत हो गई। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2005-2006 में भारत में लगभग 64.5 करोड़ लोग गरीबी की सूची में शामिल थे, यह संख्या 2015-2016 में घटकर लगभग 37 करोड़ और 2019-2021 में कम होकर 23 करोड़ हो गई। खास बात यह है कि भारत में सभी संकेतकों के अनुसार गरीबी में गिरावट आई है। सबसे गरीब राज्यों और समूहों, जिनमें बच्चे और वंचित जाति समूह के लोग शामिल हैं, ने सबसे तेजी से प्रगति हासिल की है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में पोषण संकेतक के तहत बहुआयामी रूप से गरीब और वंचित लोग 2005-2006 में 44.3 प्रतिशत थे जो 2019-2021 में कम होकर 11.8 प्रतिशत हो गए। इस दौरान और बाल मृत्यु दर 4.5 प्रतिशत से घटकर 1.5 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार खाना पकाने के ईंधन से वंचित गरीबों की संख्या भारत में 52.9 प्रतिशत से गिरकर 13.9 प्रतिशत हो गई है। वहीं स्वच्छता से वंचित लोग जहां 2005-2006 में 50.4 प्रतिशत थे उनकी संख्या 2019-2021 में कम होकर 11.3 प्रतिशत रह गई है। पेयजल के पैमाने की बात करें तो उक्त अवधि के दौरान बहुआयामी रूप से गरीब और वंचित लोगों का प्रतिशत 16.4 से घटकर 2.7 हो गया। बिना बिजली के रह रहे लोगों की संख्या 29 प्रतिशत से 2.1 प्रतिशत और बिना आवास के गरीबों की संख्या 44.9 प्रतिशत से गिरकर 13.6 प्रतिशत रह गई है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत सहित 25 देशों ने भी अपने यहां गरीबों की संख्या में कमी की है। रिपोर्ट के अनुसार भारत उन 19 देशों की लिस्ट में शामिल है जिन्होंने 2005-2006 से 2015-2016 की अवधि के दौरान अपने वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) मूल्य को आधा करने में सफलता हासिल की। गौरतलब है कि विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा प्रकाशित पॉलिसी रिसर्च पेपर्स में भी यह कहा गया है कि भारत में हाल ही के वर्षों में आर्थिक चुनौतियों के बीच गरीबी घटी है। विश्व बैंक के रिसर्च पेपर में गरीबी में गिरावट आने के कई महत्वपूर्ण कारण बताए गए हैं। कहा गया है कि भारत में गरीबों के सशक्तीकरण की कल्याणकारी योजनाओं से गरीबी में कमी आई। असंगठित कामगारों (कैजुअल वर्कर्स) की दिहाड़ी में अधिक बढ़ोतरी हुई। सबसे छोटे आकार का खेत रखने वाले किसानों की आय में भी बढ़ोतरी हुई। आईएमएफद्वारा प्रकाशित रिसर्च पेपर में कहा गया है कि सरकार के पीएमजीकेएवाई के तहत मुफ्त खाद्यान्न कार्यक्रम ने कोविड-19 की वजह से लगाए गए लॉकडाउन के प्रभावों की गरीबों पर मार को कम करने में अहम भूमिका निभाई है और इससे अत्यधिक गरीबी में भी कमी आई है। निःसंदेह भारत में वर्ष 2014 से लागू की गई डीबीटी योजना देश में गरीबी कम करने में एक वरदान की तरह दिखाई दे रही है। भारत में डीबीटी से कल्याणकारी योजनाओं के जरिए महिलाओं, बुजुर्गों, किसानों और कमजोर वर्ग के लोगों को अकल्पनीय फायदा हो रहा है। जहां कोरोनाकाल में 80 करोड़ लोगों का डिजिटल राशन प्रणाली से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत खाद्यान्न निःशुल्क दिया गया, वहीं अब विगत एक जनवरी, 2023 से 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को हर महीने खाद्यान्न निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत आने वाली देश की दो-तिहाई आबादी को राशन प्रणाली के तहत मुफ्त में अनाज देने की पहल दुनियाभर में रेखांकित की जा रही है। 2023 में वर्षभर गरीबों की खाद्य सुरक्षा तथा मुफ्त अनाज का वितरण गरीबी में कमी लाने का अहम उपाय दिखाई दे रहा है। वस्तुतः देश का कृषि उत्पादन देश के गरीबों और अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा सहारा बन गया है। कृषि मंत्रालय के मुताबिक चालू कृषि वर्ष 2022-23 में 3305.34 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान है। जो देश में अब तक रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन है। खाद्यान्न उत्पादन वृद्धि से गरीबों का सशक्तीकरण हो रहा है।

गौरतलब है कि डिजिटलीकरण के तहत जिस तरह आधार ने लीकेज को कम करते हुए लाभार्थियों को भुगतान के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर-डीबीटी) में मदद की है, उससे भी गरीबों का सशक्तीकरण हुआ है। सरकार ने वर्ष 2014 से लेकर अब तक डीबीटी के जरिए करीब 29 लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि सीधे लाभान्वितों के बैंक खातों तक पहुंचाई है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) की सराहना दुनियाभर में की जा रही। दुनियाभर में यह रेखांकित हो रहा है कि गरीबों के सशक्तीकरण में करीब 47 करोड़ से अधिक जनधन खातों (जे), करीब 134 करोड़ आधार कार्ड (ए) तथा 118 करोड़ से अधिक मोबाइल उपभोक्ताओं (एम) की शक्ति वाले जैम से सुगठित बेमिसाल डिजिटल ढांचे की असाधारण भूमिका रही है। इसी शक्ति के बल पर देश के गरीब लोगों के खातों में सीधे आर्थिक राहत हस्तांतरित हो रही है।

यह बात महत्वपूर्ण है कि देश में गरीबों के कल्याण के लिए लागू की गई विभिन्न सरकारी योजनाएं मसलन सामुदायिक रसोई, वन नेशन, वन राशन कार्ड, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत पोषण अभियान, समग्र शिक्षा जैसी योजनाएं प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से गरीबी के स्तर में कमी और स्वास्थ्य व भुखमरी की चुनौती को कम करने में सहायक रही हैं। निश्चित रूप से तेजी से बढ़ती खाद्यान्न कीमतों के मद्देनजर गरीबों को मुश्किलों से बचाने और खाद्य सुरक्षा की सुनिश्चितता हेतु अभी बहुत अधिक कारगर प्रयासों की जरूरत बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल, 2023 में भारत 142.86 करोड़ लोगों की आबादी के साथ चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया है, अतएव देश की नई आबादी के लिए रोजगार के नए अवसरों का निर्माण करना जरूरी होगा। रोजगार के ऐसे नए अवसर गरीबी नियंत्रण में सहायक होंगे।

बढ़ती हुई देश में बहुआयामी गरीबी, बेरोजगारी, भूख और कुपोषण खत्म करने के लिए सरकार द्वारा घोषित नई जनकल्याण योजनाओं, स्वरोजगार योजनाओं, कौशल विकास, सार्वजनिक स्वास्थ्य, सार्वजनिक, सामुदायिक रसोई व्यवस्था तथा पोषण अभियान-2 को पूरी तरह कारगर व सफल बनाया जाना होगा। मोटे अनाज का उत्पादन और वितरण बढ़ाकर देश में भूख और कुपोषण की चुनौती का सामना करके गरीबों की कार्यक्षमता बढ़ानी होगी। चूंकि खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार भारत में उत्पादित लगभग 40 फीसदी भोजन हर साल बर्बाद हो जाता है। ऐसे में देश में भोजन की बर्बादी को बचाए जाने से जरूरतमंद लोगों तक भोजन की उपयुक्त पूर्ति हो सकेगी और इससे भी गरीबी नियंत्रण में मदद मिलेगी।

आदित्य मिशन से खुलेंगे संभावनाओं के द्वार

सूर्य अभियान/ शशांक द्विवेदी

चंद्रयान-3 की सफलता के बाद इसरो के वैज्ञानिक अब सन मिशन की तैयारी कर रहे हैं। सूर्य कोरोना का अध्ययन एवं धरती पर इलेक्ट्रॉनिक संचार में व्यवधान पैदा करने वाली सौर-लपटों की जानकारी हासिल करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जल्दी ही आदित्य-1 उपग्रह प्रक्षेपित करेगा। इसरो के लिए 2023 अंतरग्रहीय मिशन का साल कहा जा सकता है। इसरो अगस्त के अंत में सौर वातावरण का अध्ययन करने के लिए ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) रॉकेट पर अपना कोरोनोग्राफी उपग्रह आदित्य एल1 भेजेगा। इसरो के अनुसार, अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के पहले लैग्रेंज पॉइंट (एल1) के आसपास एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित किया जाएगा। एल1 बिंदु के आसपास उपग्रह बिना किसी बाधा के लगातार सूर्य को देख सकेगा।

दरअसल, सूर्य के केंद्र से पृथ्वी के केंद्र तक एक सरल रेखा खींचने पर जहां सूर्य और पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल बराबर होते हैं, वह लैग्रेंज बिंदु कहलाता है। सूर्य का गुरुत्वाकर्षण बल पृथ्वी की तुलना में काफी अधिक है इसलिए अगर कोई वस्तु इस रेखा के बीचोबीच रखी जाए तो वह सूर्य के गुरुत्वाकर्षण से उसमें समा जाएगी। लैग्रेंज बिंदु पर सूर्य और पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल समान रूप से लगने से दोनों का प्रभाव बराबर हो जाता है। इस स्थिति में वस्तु को न तो सूर्य अपनी ओर खींच पाएगा, न पृथ्वी अपनी ओर खींच सकेगी और वस्तु अधर में लटकी रहेगी। लैग्रेंज बिंदु को एल-1, एल-2, एल-3, एल-4 और एल-5 से निरूपित किया जाता है। इसरो एल-1 लैग्रेंज बिंदु के आसपास आदित्य-1 को स्थापित करना चाहता है।

आदित्य-1 उपग्रह सूर्य के सबसे भारी भाग का अध्ययन करेगा। इससे कॉस्मिक किरणों, सौर आंधी और विकिरण के अध्ययन में मदद मिलेगी। अभी तक वैज्ञानिक सूर्य के कोरोना का अध्ययन केवल सूर्यग्रहण के समय में ही कर पाते थे। इस मिशन की मदद से सौर हवाओं के अध्ययन में जानकारी मिलेगी कि ये किस तरह से धरती पर इलेक्ट्रिक प्रणालियों और संचार नेटवर्क पर असर डालती हैं। इससे सूर्य के कोरोना से धरती के भू-चुम्बकीय क्षेत्र में होने वाले बदलावों के बारे में घटनाओं को समझा जा सकेगा। इस सोलर मिशन की मदद से तीव्र और मानव निर्मित उपग्रहों और अन्तरिक्षयानों को बचाने के उपायों के बारे में पता लगाया जा सकेगा।

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के अनुसार वह इसरो के अगले इंटरप्लेनेटरी मिशन- सौर मिशन आदित्य एल1 के लिए ट्रैकिंग सहायता प्रदान करेगी। आदित्य-एल1 का नाम सूर्य देवता और अंतरिक्ष यान के भविष्य के घर के नाम पर रखा गया है। वहीं एल1 पृथ्वी-सूर्य प्रणाली का पहला लैग्रेंज बिंदु है। ईएसए ने कहा, यह कई गुणों का अध्ययन करेगा, जैसे कि कोरोनल मास इजेक्शन की गतिशीलता और उत्पत्ति।

आदित्य-1 देश का पहला सौर कोरोनोग्राफ उपग्रह होगा। यह उपग्रह सौर कोरोना के अत्यधिक गर्म होने, सौर हवाओं की गति बढ़ने तथा कोरोनल मास इंजेक्शंस (सीएमईएस) से जुड़ी भौतिक प्रक्रियाओं को समझने में मदद करेगा। यह उपग्रह सौर लपटों के कारण धरती के मौसम पर पड़ने वाले प्रभावों और इलेक्ट्रॉनिक संचार में पड़ने वाली बाधाओं का भी अध्ययन करेगा। आदित्य-1 से प्राप्त आंकड़ों और अध्ययनों से इसरो भविष्य में सौर लपटों से अपने उपग्रहों की रक्षा कर सकेगा। इसरो ने इसके लिए कुछ उपकरणों का चयन भी किया है जो आदित्य-1 के पे-लोड होंगे। इनमें 'विजिबल एमिशन लाइन कोरोनोग्राफ (वीईएलसी)', सोलर अल्ट्रावॉयलेट इमेजिंग टेलिस्कोप, प्लाज्मा एनालाइजर पैकेज, आदित्य सोलर विंड एक्सपेरिमेंट, सोलर एनर्जी एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर और हाई एनर्जी एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर शामिल हैं। सूर्य के बारे में अभी हमारी जानकारियां आधी-अधूरी हैं। सूर्य के बारे में बहुत कुछ जानना बाकी है। अभी सोलर कोर्निया के बारे में वैज्ञानिक ज्यादा नहीं जानते हैं, ज्वालाएं कब आएंगी, इसका हमें आइडिया भी नहीं है। आदित्य सूर्य के कोरोना की गर्मी और उससे होने वाले उत्सर्जन के रहस्य को भी सुलझाने में मदद करेगा। सूर्य कोरोना का टेंपरेचर लाखों डिग्री है। पृथ्वी से कोरोना सिर्फ पूर्ण सूर्यग्रहण के दौरान ही दिखाई देता है। यह भारतीय वैज्ञानिकों की इस तरह की पहली कोशिश होगी। कोरोना के अध्ययन से सोलर एक्टिविटी कंडीशंस के बारे में अहम जानकारियां मिल सकेंगी। इसरो के इस सन मिशन से सूर्य की सतह और सूर्य के आसपास हो रही गतिविधियों और सौर विस्फोटकों के बारे में जान सकेंगे। अब तक हम धरती से अलग-अलग स्थानों से 12-12 घंटे ही सूर्य पर होने वाली ग्रहीय गतिविधियों का अध्ययन कर पाते थे। अब आदित्य एल-1 को अंतरिक्ष में ऐसी जगह स्थापित किया जाएगा जहां से सूर्य पर होने वाली घटनाओं पर 24 घंटे अध्ययन किया जा सकेगा। आदित्य एल-1 की कक्षा पृथ्वी और सूर्य से दूरी की तुलना में पृथ्वी से यदि 1 प्रतिशत रहेगी तो सूर्य से 99 प्रतिशत होगी।

'आदित्य' के प्रक्षेपण के बाद निःसंदेह अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत का दखल और बढ़ जाएगा। सूर्य मिशन बहुत महत्वपूर्ण है और वैश्विक अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी तरह का एक विशिष्ट मिशन है इसलिए इसरो के वैज्ञानिकों को इस मिशन से भारी उम्मीदें हैं। अब तक सिर्फ अमेरिका, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी और जापान ने सूरज के अध्ययन की लिए स्पेसक्राफ्ट भेजे हैं। इस मिशन की सफ़लता इसरो के लिए संभावनाओं के नए दरवाजे खोल देगी।

आरक्षण की आग में झुलसा मणिपुर, पूर्वोत्तर राज्यों में सुलगी आग

(लेखक - सनत जैन)

मणिपुर में आरक्षण की आग को लेकर, भारी हिंसा हुई है। सैकड़ों लोगों की जान चली गई है। सैकड़ों महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया गया है,भारी हिंसा हुई है, शासन और प्रशासन हाथ पर हाथ रखे बैठा हुआ है। इसी तरह की एक घटना 16 साल पहले असम में भी हो चुकी है। वहां पर भी आरक्षण की आग को लेकर आसाम उस समय झुलस गया था। लगभग 150 साल से रह रहे झारखंड के आदिवासियों को असम का आदिवासी नहीं मानने पर, भारी हिंसा हुई थी। उस समय भी कुछ आदिवासियों की मृत्यु हुई थी। कुछ घायल हो गए थे। उस समय भी भीड़ ने एक महिला का नग्न अवस्था में जुलूस निकाला था। मणिपुर में यूपीए की सरकार के समय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2008 में एक समझौता किया था। जिसके कारण नगा, कुकी और मेतई समुदाय के बीच में एक समन्वय बना था। समझौते के पहले नगा और कुकी समुदाय के लोग हिंसा पर उतारू रहते थे। सेना और पुलिस के साथ उनकी सीधी भिड़ंत होती थी। मनमोहन सिंह क़ी सरकार ने यहां पर शांति स्थापित करने में सफलता प्राप्त की थी। मणिपुर में तीन संस्कृति के लोग, हजारों वर्षों से निवास करते हैं। जिनकी अपनी संस्कृति और परंपराएं हैं। नगा और कुकी समुदाय के लोग पहाड़ों पर काबिज हैं। वहीं मेतई समुदाय के लोग मैदानी इलाकों में रहते हैं। विवाद की मूल वजह पहाड़ी बनाम घाटी की इस लड़ाई में मैतई समुदाय को आरक्षण देकर पहाड़ों क़ी जमीन खरीदने और जमीनों पर कब्जा करने का अधिकार देने की जो कोशिश, मणिपुर की सरकार द्वारा की गई है। उसके बाद से ही मणिपुर जल रहा है। पिछले ढाई महीने में मणिपुर के सरकारी मालखाने से 3000 से ज्यादा बंदूकें लूट ली गई। छह लाख से ज्यादा कारतूस दोनों समुदायों के लोगों ने अपने-अपने इलाकों से लूट लिए। पहले 5 दिनों की हिंसा में जो लोग मारे गए, उनकी काफी बड़ी संख्या थी। 70 लोगों का शव अभी भी मोर्चरी में रखा हुआ है। न्यायालय के आदेश के बाद भी शव उनके परिजनों को नहीं सौंपे जा सके हैं। मृतकों के परिजन वहां से भागकर अन्य जगह पर चले गए हैं। जहां पर शव रखे हैं। वहां से शव ले जाना उनके परिजनों के लिए सुरक्षित नहीं है। मणिपुर की आबादी 2011 की जनगणना में 28 लाख 55794 थी। मई माह में हुई हिंसक घटनाओं के बाद 60 हजार लोग शरणार्थी शिविरों में रहने के लिए विवश हैं। हजारों लोग मणिपुर छोड़कर दूसरे राज्यों में चले गए हैं। मणिपुर में 60,000 से ज्यादा अर्धसैनिक बल और पुलिस तैनात है। मणिपुर में हिंसा की अभी तक 5000 से ज्यादा घटनाएं हो चुकी है। विभिन्न पुलिस थाने में 6000 से अधिक एफआईआर दर्ज है। पिछले ढाई महीने में लगभग 147 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। जिन महिलाओं के नग्न अवस्था में वीडियो वायरल हुए हैं। इन्होंने थाने में जाकर शरण ली थी। भीड़ इन महिलाओं को थाने से निकाल कर ले गई थी। उन महिलाओं के साथ मैं मेतई समुदाय की भीड़ ने अमानुषिक कृत्य किया। उसके भाई की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मेतई समुदाय को उकसाने के लिए एक फर्जी वीडियो वायरल होने की बात भी सामने आई है। इसके बाद भी पुलिस ने लगभग ढाई महीने तक आरोपियों को ना तो गिरफ्तार किया। नाही अपराध की एफआईआर लिखी। 4 मई की हुई इस घटना के बाद से पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन से विश्वास पूरी तरह से कुकी और नगा समुदाय का खत्म हो गया था। कुकी और नगा समुदाय 2008 के पहले सेना और पुलिस के साथ सशस्त्र विद्रोह करते रहे हैं। इसके बाद भी राज्य सरकार ने आरक्षण का मुद्दा उठाकर, शांत जल में बड़ा पत्थर फेंककर गैर जिम्मेदाराना तरीके से मणिपुर की शांति को ना केवल अशांति में बदला है। बरन मणिपुर की सरकार इस बात के लिए भी दोषी है। जिसमें सैकड़ों गिरजाघर जलाए गए हैं। हजारों घर मणिपुर की हिंसक वारदात और आगजनी में सभी समुदाय के जला दिए गए हैं। लोगों के दुकान, मकान बड़े पैमाने पर बर्बाद हुए हैं। विधानसभा चुनाव के पहले राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा ने मेतई समुदाय को यह विश्वास दिलाया था, कि उन्हें एसटी का दर्जा दिया जाएगा। पहाड़ी क्षेत्रों की जमीनों को वह अपने कब्जे में करने और खरीदने के अधिकार दिए जाएंगे। जिसके कारण अल्पसंख्यक नगा और कुकी समुदाय के लोग अपने आपको असुरक्षित मानने लगे। सरकार ने भी बिना सोचे समझे आरक्षण की अधिसूचना जारी करके, अशांति को फैलाने का काम किया है। इसका असर अब सभी पूर्वोत्तर राज्यों में पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। मणिपुर आग की लपटें,अब अन्य पूर्वोत्तर राज्यो मे फैलती हुई दिख रही है। केंद्र सरकार इन परिस्थितियों में हाथ पर हाथ रखकर बैठी हुई है, जो चिंता को और भी बढ़ाने का कारण है। 2008 का जो अनुबंध मनमोहन सिंह सरकार के समय पर मणिपुर में हुआ था। उसके बाद से मणिपुर में शांति थी। सभी लोग आपस में मिलकर रह रहे थे। लेकिन वर्तमान वीरेन सिंह की सरकार ने उस अनुबंध को रद्द कर, इस विवाद क़ी आग में घी डालने का काम किया है। जिसके परिणाम अब सभी के सामने हैं।

मूंगफली की उन्नत खेती

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

मूंगफली भारत की मुखय महत्त्वपूर्ण तिलहनी फसल है। यह गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू तथा कर्नाटक राज्यों में सबसे अधिक उगाई जाती है। अन्य राज्य जैसे मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान तथा पंजाब में भी यह काफी महत्त्वपूर्ण फसल मानी जाने लगी है।

भूमि एवं उसकी तैयारी

मूंगफली की खेती के लिये अच्छे जल निकास वाली, भुरभुरी दोमट व बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। मिट्टी पलटने वाले हल तथा बाद में कल्टीवेटर से दो जुताई करके खेत को पाटा लगाकर समतल कर लेना चाहिए।जमीन में दीमक व विभिन्न प्रकार के कीड़ों से फसल के बचाव हेतु क्विनलफोस 1.5 प्रतिशत 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जुताई के साथ जमीन में मिला देना चाहिए।

बीज एवं बुवाई

मूंगफली की बुवाई प्रायः मानसून शुरू होने के साथ ही हो जाती है। उत्तर भारत में यह समय सामान्य रूप से 15 जून से 15 जुलाई के मध्य का होता है। कम फैलने वाली किस्मों के लिये बीज की मात्रा 75-80 कि.ग्राम. प्रति हेक्टर एवं फैलने वाली किस्मों के लिये 60-70 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर उपयोग में लेना चाहिए बुवाई के बीज निकालने के लिये स्वस्थ फलियों का चयन करना चाहिए या उनका प्रमाणित बीज ही बोना चाहिए। बोने से 10-15 दिन पहले गिरी को फलियों से अलग कर लेना चाहिए।

बीज को बोने से पहले 3 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम मेन्कोजेब या कार्बेण्डिजिम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहिए। इससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा प्रारम्भिक अवस्था में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों से बचाया जा सकता है। दीमक और सफेद लट से बचाव के लिये क्लोरोपायरिफास (20 ई.सी.) का 12.50 मि.ली. प्रति किलो बीज का उपचार बुवाई से पहले कर लेना चाहिए। मूंगफली को कतार में बोना चाहिए। गुच्छे वाली/कम फैलने वाली किस्मों के लिये कतार से कतार की दूरी 30 से.मी. तथा फैलने वाली किस्मों के लिये 45 से.मी.रखें। पौधों से पौधों की दूरी 15 से. मी. रखनी चाहिए। बुवाई हल के पीछे, हाथ से या सीडड्रिल द्वारा की जा सकती है। भूमि की किस्म एवं नमी की मात्रा के अनुसार बीज जमीन में 5-6 से.मी. की गहराई पर बोना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

उर्वरकों का प्रयोग भूमि की किस्म, उसकी उर्वराशक्ति, मूंगफली की किस्म, सिंचाई की सुविधा आदि के अनुसार होता है। मूंगफली दलहन परिवार की तिलहनी फसल होने के नाते इसको सामान्य रूप से नाइट्रोजनधारी उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी हल्की मिट्टी में शुरूआत की बढ़वार के लिये 15-20 किग्रा नाइट्रोजन तथा 50-60 कि.ग्रा. फास्फोरस प्रति हैक्टर के हिसाब से देना लाभप्रद होता है। उर्वरकों की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय ही भूमि में मिला देना चाहिए। यदि कम्पोस्ट या गोबर की खाद उपलब्ध हो तो उसे बुवाई के 20-25 दिन पहले 5 से 10 टन प्रति हैक्टर खेत मे बिखेर कर अच्छी तरह मिला देनी चाहिए। अधिक उत्पादन के लिए अंतिम जुताई से पूर्व भूमि में 250 कि.ग्रा.जिप्सम प्रति हैक्टर के हिसाब से मिला देना चाहिए।

नीम की खल का प्रयोग

नीम की खल के प्रयोग का मूंगफली के उत्पादन में अच्छा प्रभाव पड़ता है। अंतिम जुताई के समय 400 कि.ग्रा. नीम खल प्रति हैक्टर के हिसाब से देना चाहिए। नीम की खल से दीमक का नियंत्रण हो जाता है तथा पौधों को नत्रजन तत्वों की पूर्ति हो जाती है। नीम की खल के प्रयोग से 16 से 18 प्रतिशत तक की उपज में वृद्धि, तथा दाना मोटा होने के कारण तेल प्रतिशत में भी वृद्धि हो जाती है। दक्षिण भारत के कुछ स्थानों में

अधिक उत्पादन के लिए जिप्सम भी प्रयोग में लेते हैं।

सिंचाई

मूंगफली खरीफ फसल होने के कारण इसमें सिंचाई की प्रायः आवश्यकता नहीं पड़ती। सिंचाई देना सामान्य रूप से वर्षा के वितरण पर निर्भर करता हैं फसल की बुवाई यदि जल्दी करनी हो तो एक पलेवा की आवश्यकता पड़ती है। यदि पौधों में फूल आते समय सूखे की स्थिति हो तो उस समय सिंचाई करना आवश्यक होता है। फलियों के विकास एवं गिरी बनने के समय भी भूमि में पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है। जिससे फलियाँ बड़ी तथा खूब भरी हुई बनें। अतः वर्षा की मात्रा के अनुरूप सिंचाई की जरूरत पड़ सकती है।

मूंगफली की फलियों का विकास जमीन के अन्दर होता है। अतः खेत में बहुत समय तक पानी भराव रहने पर फलियों के विकास तथा उपज पर बुरा असर पड़ सकता है। अतः बुवाई के समय यदि खेत समतल न हो तो बीच-बीच में कुछ मीटर की दूरी पर हल्की नालियाँ बना देना चाहिए। जिससे वर्षा का पानी खेत में बीच में नहीं रूक पाये और अनावश्यक अतिरिक्त जल वर्षा होते ही बाहर निकल जाए।

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण का इस फसल के उत्पादन में बड़ा ही महत्त्व है। मूंगफली के पौधे छोटे होते हैं। अतः वर्षा के मौसम में सामान्य रूप से खरपतवार से ढक जाते हैं। ये खरपतवार पौधों को बढ़ने नहीं देते। खरपतवारों से बचने के लिये कम से कम दो बार निराई गुड़ाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली बार फूल आने के समय दूसरी बार 2-3 सप्ताह बाद जबकि पेग (नस्से) जमीन में जाने लगते हैं। इसके बाद निराई गुड़ाई नहीं करनी चाहिए। जिन खेतों में खरपतवारों की ज्यादा समस्या हो तो बुवाई के 2 दिन बाद तक पेन्डीमेथालिन नामक खरपतवारनाशी की 3 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिड़काव कर देना चाहिए।

फसल चक्र

असिंचित क्षेत्रों में सामान्य रूप से फैलने वाली किस्में ही उगाई जाती हैं जो प्रायः देर से तैयार होती है। ऐसी दशा में सामान्य रूप से एक फसल ली जाती है। परन्तु गुच्छेदार तथा शीघ्र पकने वाली किस्मों के उपयोग करने पर अब साथ में दो फसलों का उगाया जाना ज्यादा संभव हो रहा है। सिंचित क्षेत्रों में सिंचाई करके जल्दी बोई गई फसल के बाद गेहूँ की खासकर देरी से बोई जाने वाली किस्में उगाई जा सकती हैं।

रोग नियंत्रण

उगते हुए बीज का सड़न रोगः कुछ रोग उत्पन्न करने वाले कवक (एर्स्पर्जिलस नाइजर, एर्स्पर्जिलस फ्लेवस आदि) जब बीज उगने लगता है उस समय इस पर आक्रमण करते हैं। इससे बीज पत्रों, बीज पत्राधरों एवं तनों पर गोल हल्के भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। बाद में ये धब्बे मुलायम हो जाते हैं तथा पौधे सड़ने लगते हैं और फिर सड़कर गिर जाते हैं। फलस्वरूप खेत में पौधों की संखया बहुत कम हो जाती है और जगह-जगह खेत खाली हो जाता है। खेत में पौधों की भरपूर संखया के लिए सामान्य रूप से मूंगफली के प्रमाणित बीजों को बोना चाहिए। अपने बीजों को बोने से पहले 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहि।

रोजेट रोग

रोजेट (गुच्छरोग) मूंगफली का एक विषाणु (वाइरस) जनित रोग है इसके प्रभाव से पौधे अति बौने रह जाते हैं साथ पत्तियों में ऊतकों का रंग पीला पड़ना प्रारम्भ हो जाता है। यह रोग सामान्य रूप से विषाणु फैलाने वाली माहूँ से फैलता है अतः इस रोग को फैलने से रोकने के लिए पौधों को जैसे ही खेत में दिखाई दें, उखाड़कर फेंक देना चाहिए। इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए।

टिक्का रोग

यह इस फसल का बड़ा भयंकर रोग है। आरम्भ में पौधे के नीचे वाली पत्तियों के ऊपरी सतह पर गहरे भूरे रंग के छोटे-छोटे गोलाकार धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे बाद में ऊपर की पत्तियों तथा तनों पर भी फैल जाते हैं। संक्रमण की उग्र अवस्था में पत्तियाँ सूखकर झड़ जाती हैं तथा केवल तने ही शेष रह जाते हैं।

इससे फसल की पैदावार काफी हद तक घट जाती है। यह बीमारी सर्कोस्पोरा परसोनेटा या सर्कोस्पोरा अरैडिकोला नामक कवक द्वारा उत्पन्न होती है। भूमि में जो रोगग्रसित पौधों के अवशेष रह जाते हैं उनसे यह अगले साल भी फैल जाती है इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम-45 को 2 किलोग्राम एक हजार लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से दस दिनों के अन्तर पर दो-तीन छिड़काव करने चाहिए।

कीट नियंत्रण

रोमिल इल्ली

रोमिन इल्ली पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहीन कर देता है। पूर्ण विकसित इल्लियों पर घने भूरे बाल होते हैं। यदि इसका आक्रमण शुरू होते ही इनकी रोकथाम न की जाय तो इनसे फसल की बहुत बड़ी क्षति हो सकती है। इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक है कि खेत में इस कीड़े के दिखते ही जगह-जगह पर बन रहे इसके अण्डों या छोटे-छोटे इल्लियों से लद रहे पौधों या पत्तियों को काटकर या तो जमीन में दबा दिया जाय या फिर उन्हें घास-फूँस के साथ जला दिया जाय। इसकी रोकथाम के लिए क्विनलफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना प्रति हैक्टर छिड़काव करना चाहिए।

मूंगफली की माहु

सामान्य रूप से छोटे-छोटे भूरे रंग के कीड़े होते हैं। तथा बहुत बड़ी संखया में एकत्र होकर पौधों के रस को चूसते हैं। साथ ही वाइरस जनित रोग के फैलाने में सहायक भी होती है। इसके नियंत्रण के लिए इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए

लीफ माइनर

लीफ माइनर के प्रकोप होने पर पत्तियों पर पीले रंग के धब्बे दिखाई पड़ने लगते हैं। इसके गिडार पत्तियों में अन्दर ही अन्दर हरे भाग को खाते रहते हैं और पत्तियों पर सफेद धारियॉ सी बन जाती हैं। इसका प्यूपा भूरे लाल रंग का होता है इससे फसल की काफी हानि हो सकती हैं। मादा कीट छोटे तथा चमकीले रंग के होते हैं मुलायम तनों पर अण्डा देती है। इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना चाहिए।

सफेद लट

मूंगफली को बहुत ही क्षति पहुँचाने वाला कीट है। यह बहुभोजी कीट है इस कीट की ग्रब अवस्था ही फसल को काफी नुकसान पहुँचाती है। लट मुखय रूप से जड़ों एवं पत्तियों को खाते हैं जिसके फलस्वरूप पौधे सूख जाते हैं। मादा कीट मई-जून के महीनें में जमीन के अन्दर अण्डे देती है। इनमें से 8-10 दिनों के बाद लट निकल आते हैं। और इस अवस्था में जुलाई से सितम्बर-अक्टूबर तक बने रहते हैं। शीतकाल में लट जमीन में नीचे चले जाते हैं और प्यूपा फिर गर्मी व बरसात के साथ ऊपर आने लगते हैं। क्लोरोपायरिफास से बीजोपचार प्रारंभिक अवस्था में पौधों को सफेद लट से बचाता है। अधिक प्रकोप होने पर खेत में क्लोरोपायरिफास का प्रयोग करें । इसकी रोकथाम फोरेट की 25 किलोग्राम मात्रा को प्रति हैक्टर खेत में बुवाई से पहले भुरका कर की जा सकती है।

बीज उत्पादन

मूंगफली का बीज उत्पादन हेतु खेत का चयन महत्त्वपूर्ण होता है। मूंगफली के लिये ऐसे खेत चुनना चाहिए जिसमें लगातार 2-3 वर्षो से मूगंफली की खेती नहीं की गई हो भूमि में जल का अच्छा प्रबंध होना चाहिए। मूंगफली के बीज उत्पादन हेतु चुने गये खेत के चारों तरफ 15-20 मीटर तक की दूरी पर मूंगफली की फसल नहीं होनी चाहिए। बीज उत्पादन के लिये सभी आवश्यक कृषि क्रियायें जैसे खेत की तैयारी, बुवाई के लिये अच्छा बीज, उन्नत विधि द्वारा बुवाई, खाद एवं उर्वरकों का उचित प्रयोग, खरपतवारों एवं कीड़े एवं बीमारियों का उचित नियंत्रण आवश्यक है। अवांछनीय पौधों की फूल बनने से पहले एवं फसल की कटाई के पहले निकालना आवश्यक है। फसल जब अच्छी तरह पक जाय तो खेत के चारों ओर का लगभग 10 मीटर स्थान छोड़कर फसल काट लेनी चाहिए तथा सुखा लेनी चाहिए। दानों में 8-10 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए। मूंगफली को ग्रेडिंग करने के बाद उसे कीट एवं कवक नाशी रसायनों से उपचारित करके बोरों में भर लेना चाहिए। इस प्रकार उत्पादित बीज को अगले वर्ष की बुवाई के लिये उपयोग में लिया जा सकता है।

कटाई एवं गहाई

सामान्य रूप से जब पौधे पीले रंग के हो जायें तथा अधिकांश नीचे की पत्तियॉ गिरने लगे तो तुरंत कटाई कर लेनी चाहिए। फलियों को पौधों से अलग करने के पूर्व उन्हें लगभग एक सप्ताह तक अच्छी प्रकार सुखा लेना चाहिए। फलियों को तब तक सुखाना चाहिए जब तक उनमें नमी की मात्रा 10 प्रतिशत तक न हो जायें क्योंकि अधिक नमी वाली फलियों को भंडारित करने पर उस पर बीमारियों का खासकर सफेद फंफूदी का प्रकोप हो सकता है।

उपज एवं आर्थिक लाभ

उन्नत विधियों के उपयोग करने पर मूंगफली की सिंचित क्षेत्रों में औसत उपज 20-25 क्विण्टल प्रति हेक्टर प्राप्त की जा सकती है। इसकी खेती में लगभग 25-30 हजार रुपये प्रति हेक्टर का खर्चा आता हैं। मूंगफली का भाव 30 रुपये प्रतिकिलो रहने पर 35 से 40 हजार रुपये प्रति हेक्टर का शुद्ध लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

ग्वार की उन्नतशील खेती

भूमिका

ग्वार की खेती देश के पश्चिमी भाग के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ग्वार एक अति महत्वपूर्ण फसल है। यह सूखा सहन करने के अतिरिक्त अधिक तापक्रम को भी सह लेती है। भारत में ग्वार की खेती प्रमुख रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात व उत्तर प्रदेश में की जाती है। सब्जी वाली ग्वार की फसल से बुवाई के 55-60 दिनों बाद कच्ची फलियां तुड़ाई पर आ जाती हैं। अतः ग्वार के दानों और ग्वार चूरी को पशुओं के खाने और प्रोटीन की आपूर्ति के लिए भी प्रयोग किया जाता है। ग्वार की फसल वायुमंडलीय नाइट्रोजन का भूमि में स्थिरीकरण करती है। अतः ग्वार जमीन की ताकत बढ़ाने में भी उपयोगी है।

फसल चक्र में ग्वार के बाद ली जाने वाली फसल की उपज हमेशा बेहतर मिलती है। ग्वार खरीफ ऋृतु में उगायी जाने वाली एक बहु-उपयोगी फसल है। ग्वार कम वर्षा और विपरीत परिस्थितियों वाली जलवायु में भी आसानी से उगायी जा सकती है। ग्वार की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि यह उन मृदाओं में आसानी से उगायी जा सकती है जहां दूसरी फसलें उगाना अत्यधिक कठिन है। अतः कम सिंचाई वाली परिस्थितियों में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। भारत विश्व में सबसे अधिक ग्वार की फसल उगाने वाला देश है। दलहनी फसलों में ग्वार का भी विशेष योगदान है। यह फसल राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात,हरियाणा प्रदेशो में ली जाती हैं।

उन्नतशील प्रजातियॉ

बुन्देल ग्वार-1, बुन्देल ग्वार-2, बुन्देल ग्वार-3, आर.जी.सी.-986, आर.जी.सी.-1002 एवं आर.जी. सी.-1003

बुआई का समय

जुलाई के पहले पखवाड़े/या मानसून प्रारम्भ के बाद।

भूमि का चुनाव

अच्छे जलनिकास व उच्च उर्वरता वाली दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। खेत में पानी का ठहराव

फसल को भारी हानि पहुँचाता है।

खेत की तैयारी

से 2-3 जुताई अथवा हैरो से करना उचित रहता है।

उर्वरक

प्रति हैक्टर 20 किग्रा नाइटरोजन, 40-60 किग्रा फास्फोरस की आवश्यकता होती है।

बीजशोधन

मृदाजनित रोगों से बचाव के लिए बीजों को 2 ग्राम थीरम व 1 ग्राम कार्वेन्डाजिम प्रति कि0ग्राम अथवा 3 ग्राम थीरम प्रति कि0ग्राम की दर से शोधित करके बुआई करें। बीजशोधन बीजोपचार से 2-3 दिन पूर्व करें।

बीजोपचार

राइजोबियम कल्चर से बीजोपचार करना फायदेमन्द रहता है।

दूरी

पंक्ति से पंक्ति - 45 सेमी (सामान्य) 30 से.मी. (देर से बुआई करने पर

पौध से पौध - 15-20 सेमी

बीजदर

15-20 किग्रा प्रति हे.।

सिंचाई एवं जल निकास

लम्बी अवधि तक वर्षा न होने पर 1-2 सिंचाई आवश्यकतानुसार।

खरपतवार नियंत्रण

खुरपी से 2-3 बार निकाई करनी चाहिए। प्रथम निकाई बोआई के 20-30 दिन के बाद एवं दूसरी 35-45 दिन के बाद करनी चाहिए। खरपतवारों की गम्भीर समस्या होने पर वैसलिन की एक कि.ग्रा. सक्रिय मात्रा को बोआई से पूर्व उपरी 10 से.मी. मृदा में अच्छी तरह मिलाने से उनका प्रभावी नियन्त्रण किया जा सकता है।

ग्वार की फसल को खरपतवारों से पूर्णतया मुक्त रखना चाहिए। सामान्यतः फसल बुवाई के 10-12 दिन बाद कई तरह के खरपतवार निकल आते हैं जिनमें मौथा, जंगली जूट, जंगली चरी (बरू) व दूब-घास प्रमुख हैं। ये खरपतवार पोषक तत्वों, नमी, सूर्य का प्रकाश व स्थान के लिए फसल से प्रतिस्पर्धा करते हैं। परिणामस्वरूप पौधे का विकास व वृद्धि ठीक से नहीं हो पाती है। अतः ग्वार की फसल में समय-समय पर निराई-गडाई कर खरपतवारों को निकालते रहना चाहिए।

इससे पौधें की जड़ों का विकास भी अच्छा होता है तथा जड़ों में वायु संचार भी बढ़ता है। दाने वाली फसल में बेसालिन 1.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में बुवाई से पूर्व मृदा की ऊपरी 8 से 10 सेंमी सतह में छिड़काव कर खरपतवारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अलावा पेंडिमिथेलीन का 3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के दो दिन बाद छिड़काव करना चाहिए। इसके लिए 700 से 800 लीटर पानी में बना घोल एक हेक्टेयर के लिए पर्याप्त होता है।

फसल सुरक्षा

कीट नियन्त्रण

जैसिड एवं बिहार हेयरी कैटरपिलर यह मुख्य शत्रु हैं। इसके अतिरिक्त मोयला, सफेद मक्खी,

हरातैला द्वारा भी फसल को नुकसान हो सकता है।

मोनोक्रोटोफास 36 डब्ल्यूएससी (0.06 प्रतिशत) का छिड़काव एक या दो बार करें।

ब्याधि नियन्त्रण

खरीफ के मौसम में बैक्टीरियल ब्लाइट सर्वाधिक नुकसान पहुँचाने वाली बीमारी है। एल्टरनेरिया

लीफ स्पाट एवं एन्थ्रैकनोज अन्य नुकसान पहुँचाने वाली बीमारियॉ हैं। एकीकृत ब्याधि नियन्त्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

रोग प्रतिरोधी प्रजातियों का प्रयोग।

बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रभावी नियन्त्रण हेतु 56 डिग्री से0 पर गरम पानी में 10 मिनट तक बीजोपचार करना चाहिए।

एन्थ्रैकनोज एवं एल्टरनेरिया लीफ स्पाट पर नियन्त्रण हेतु डायथेन एम-45 (0.2प्रतिशत) का 15 दिन के अन्तराल पर एक हजार लीटर पानी में 2 कि.ग्रा. सक्रिय अवयव/है. के हिसाब से छिड़काव करना चाहिए।

उपज

उन्नत विधि से खेती करने पर 10-15 कुन्तल प्रति हे0 प्राप्त होती है।

मस्क की एक झटके में कम हुई 20.3 अरब डॉलर की संपत्ति

वाशिंगटन । दुनिया के सबसे अमीर अरबपतियों में से एक और लग्जरी इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के मालिक एलन मस्क की संपत्ति 20.3 अरब डॉलर कम हुई और इसके साथ ही कंपनी के शेयर भी गिर गए। ऐसा तब हुआ जब मस्क की ही कंपनी टेस्ला इंक ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि कंपनी को ईवी की कीमतों में कटौती जारी रखनी पड़ सकती है।

ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स में अरबपतियों की कुल कमाई में अब तक की सातवीं सबसे बड़ी गिरावट आई है। इस बार इंडेक्स की लिस्ट में शामिल अरबपतियों के कुल नेटवर्थ में 234.4 अरब डॉलर की गिरावट देखने को मिली। इसके साथ ही साथ दुनिया के दो सबसे अमीर लोगों मस्क और बर्नार्ड अरनॉल्ट के बीच संपत्ति का अंतर यानी वेल्थ गैप कम हो गया है। मस्क की संपत्ति अभी भी अरनॉल्ट से लगभग 33 अरब डॉलर ज्यादा है। ब्लूमबर्ग की सबसे अमीर अरबपतियों की लिस्ट में मस्क एकमात्र अमेरिकी टेक्नोलॉजी अरबपति नहीं थे जिनका दिन ठीक नहीं था। इसमें जेफ बेजोस, लैरी एलिसन और मार्क जुकरबर्ग जैसे कई अरबपतियों का नाम भी शामिल है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स में जेफ बेजोस, के लैरी एलिसन, पूर्व सीईओ स्टीव बाल्मर, मेटा प्लेटफॉर्म्स के मार्क जुकरबर्ग और लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन की कुल संपत्ति 20.8 अरब डॉलर कम हो गई, क्योंकि टेक-हैवी नैस्डॉक 100 में 2.3 प्रतिशत की गिरावट आई। ऑस्टिन स्थित टेस्ला के शेयर न्यूयॉर्क में 9.7 प्रतिशत गिरकर 262.90 डॉलर पर आ गए, जो 20 अप्रैल के बाद सबसे अधिक है, जब कंपनी ने पहले से ही घट रही प्रॉफिटेबिलिटी पर और अधिक प्रभाव पड़ने की चेतावनी दी थी। महीनों की मार्कडाउन ने ऑटोमोटिव ग्रॉस मार्जिन पर असर डाला है, जो दूसरी तिमाही में चार साल के निचले स्तर पर गिर गया है।

52 वर्षीय मस्क की कमाई सबसे ज्यादा तीन कंपनियों से होती है। इसमें सबसे मुख्य रूप से ईवी मैन्युफैक्चरर टेस्ला है। इसके साथ स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज और ट्विटर में भी उनकी हिस्सेदारी से काफी फायदा होता है। इस साल बुधवार तक उनकी संपत्ति करीब 118 अरब डॉलर बढ़ गई, क्योंकि टेस्ला के शेयर 136 फीसदी चढ़ गए। 74 साल के अरनॉल्ट की नेटवर्थ इस साल 39 अरब डॉलर बढ़कर 201.2 अरब डॉलर हो गई है।

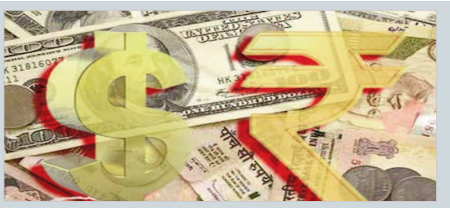

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपये आठ पैसे की गिरावट के साथ ही 81.95 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपये की कमजोर शुरुआत हुई है। रुपया डॉलर के मुकाबले 11 पैसे कमजोर होकर 82.04 रुपए पर पहुंच गया। वहीं गत दिवस अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की बढ़त के साथ ही 81.09 पर बंद हुआ था। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा कारोबार में आज रुपया 82.05 पर खुला। इसके बाद ये अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.02 के उच्च स्तर पर पहुंच गया। ये पिछले बंद भाव के मुकाबले 6 पैसे की बढ़त को दिखाता है। बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 82.08 पर बंद हुआ था।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटी ने कर पश्चात लाभ में एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की

मुंबई । ब्रोकरेज हाउस आईसीआईसीआई सिक्योरिटी ने 30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए कर पश्चात लाभ (पीएटी) में एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। कंपनी ने जून तिमाही में 271 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया। इसके मुकाबले, कंपनी ने एक साल पहले की समान अवधि में 273.6 करोड़ रुपये का पीएटी दर्ज किया था। मुनाफे में गिरावट का कारण अधिक खर्च को माना जा सकता है, क्योंकि इसी तिमाही में ब्रोकिंग फर्म का कुल खर्च 33 प्रतिशत बढ़कर 570 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में कंपनी का कुल राजस्व 18 प्रतिशत बढ़कर 934 करोड़ रहा, जो वित्तीय वर्ष 2022-23 की अप्रैल-जून तिमाही में 795 करोड़ रुपये था। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी के साथ जून तिमाही के दौरान 2.1 लाख नए ग्राहक जुड़े, जिससे उसका कुल कस्टमर बेस 93 लाख हो गया। पिछले माह, आईसीआईसीआई बैंक ने आईसीआईसीआई सिक्योरिटी को डीलिस्ट करने और डीलिस्टिंग के बाद बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बनने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। आईसीआईसीआई बैंक द्वारा प्रमोटेड आईसीआईसीआई सिक्योरिटी देश की अग्रणी रिटेल पर आधारित इक्विटी फ्रेंचाइजी, फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स की डिस्ट्रीब्यूटर और इनवेस्टमेंट बैंक है।

जियो वित्तीय सेवा का मूल्य अडानी पोर्ट्स, टाटा स्टील से ज्यादा

मुंबई । जियो वित्तीय सर्विसेज लिमिटेड के शेयरों का मूल्य 261 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है, जो जल्द ही सूचीबद्ध होने वाली कंपनी को भारत की 32वीं सबसे मूल्यवान कंपनी बनाती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने अलग हो रहे वित्तीय सेवा कारोबार को जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) के नाम से आवंटित करने की रिकॉर्ड तिथि 20 जुलाई रखी थी। 20 जुलाई तक रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरधारकों को नव निर्मित जेएफएसएल के शेयर 1ः1 अनुपात में प्राप्त होने वाले हैं। डीमर्जर के कारण, रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों का बाजार मूल्य गुरुवार को एक्स-जेएफएसएल हो गया। परिणामस्वरूप, स्टॉक एक्सचेंजों ने सुबह 9 बजे से 10 बजे तक रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों के लिए एक विशेष मूल्य खोज सत्र आयोजित किया। आरआईएल शेयरों का पूर्व-जेएफएसएल मूल्य एनएसई पर 2,580 रुपये और बीएसई पर 2589 रुपये पाया गया। एनएसई पर आरआईएल का सह-जेएफएसएल (प्री-डिमर्जर) समापन शेयर मूल्य 2,841.85 रुपये था, जबकि 19 जुलाई को बीएसई पर अंतिम कारोबार मूल्य 2,840 रुपये था। इस शेयर मूल्य पर जेएफएसएल की पूरी शेयर पूंजी का मूल्य 1,72,000 करोड़ रुपये या 21 अरब डॉलर से अधिक होगा। यह मूल्यांकन जेएफएसएल को बाजार पूंजीकरण के हिसाब से अदानी पोर्ट्स, अडानी ग्रीन, टाटा स्टील, कोल इंडिया, एचडीएफसी लाइफ, आईओसी, बजाज ऑटो से आगे भारत की 32वीं सबसे मूल्यवान कंपनी बना देगा। जेएफएसएल के शेयर निकट भविष्य में स्टॉक एक्सचेंजों में कारोबार के लिए उपलब्ध हो जाएंगे।

ग्लोबल स्मार्टफोन मार्किट में शीर्ष पर सैमसंग

दूसरे नंबर पर एप्पल और तीसरे पर शीओमी

मुंबई । इस साल की दूसरी तिमाही में सैमसंग ने 21 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के साथ ग्लोबल स्मार्टफोन मार्केट में अग्रणी स्थान बनाए रखा, जबकि एप्पल 17 फीसदी हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रहा। ग्लोबल स्मार्टफोन मार्केट में दूसरी तिमाही में 11 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की गिरावट आई। डिमांड ने सैमसंग और एप्पल जैसे बाजार के लीडर्स को प्रभावित करना शुरू कर दिया, जिन्हें उसी तिमाही में अपनी बिक्री कम करनी पड़ी। टॉप 2 में से, स्मार्टफोन शिपमेंट में गिरावट से सुधार के संकेत मिले हैं, क्योंकि ज्यादातर विक्रेताओं की इन्वेंट्री बेहतर स्तर पर लौट आई है जबकि व्यापक आर्थिक स्थिति स्थिर है। शाओमी ने अपनी नए लॉन्च किए गए रेडमी सीरीज के सप्लाई में सुधार के रूप में 13 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। ओप्पो (वनप्लस सहित) ने एशिया प्रशांत के मुख्य बाजारों में मजबूत प्रदर्शन के बाद 10 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ चौथा स्थान हासिल किया, जबकि नई वाई-सीरीज लॉन्च के चलते वीवो 8 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ पांचवें स्थान पर आया। जानकार ने कहा, स्मार्टफोन बाजार 2022 के बाद से लगातार छह तिमाहियों में गिरावट के बाद सुधार के शुरुआती संकेत भेज रहा है। इतना ही नहीं विक्रेता भविष्य में बाजार में सुधार की तैयारी कर रहे हैं। विक्रेताओं ने विनिर्माण में निवेश करना बंद नहीं किया है और दक्षिण पूर्व एशिया और भारत जैसे उभरते बाजारों में उनकी सीधी उपस्थिति है, जो सतत विकास के लिए एक मजबूत प्रेरक शक्ति होगी।

शेयर बाजार में भारी गिरावट, सेंसेक्स 887 अंक टूटा

निफ्टी 234 अंक नीचे आया

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के अलावा दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयरों के नीचे आने से आई है। निजी क्षेत्र की नामी आईटी कंपनी इंफोसिस के कमजोर तिमारी परिणामों से भी बाजार की गति पर विराम लगा। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का तीस शेयरों वाला

मानक सूचकांक सेंसेक्स 887.64 अंक करीब 1.31 फीसदी नीचे आकर 66,684.26 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 67,190.52 की ऊंचाई तक जाने के बाद 66,533.74 तक फिसला। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 234.15 अंक तकरीबन 1.17 फीसदी नीचे आकर 19,745.00 अंक पर बंद हुआ। आज शुरुआती कारोबार के दौरान इंफोसिस के शेयरों में 8 फीसदी की गिरावट रही। इसी के बाद कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 के लिए अपने पूर्वानुमान को पिछली तिमाही में 4-7 फीसदी से घटाकर स्थिर मुद्रा में 1-3.5 फीसदी कर दिया। इसके अलावा एचसीएल टेक, टीसीएस, विप्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी गिरे हैं। इन शेयरों में 3.6 फीसदी तक की गिरावट आई है।

वहीं लार्सन एंड टुब्रो, एनटीपसीस, एसबीआई, नेस्ले, पावर ग्रिड और टाटा मोटर्स, कोटक बैंक और सन फार्मा के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। आज प्री-ओपनिंग में बाजार में कमजोरी आई। सेंसेक्स 675.90 अंक करीब 1.00 फीसदी की गिरावट के साथ ही 66,896 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 465.90 अंक तकरीबन 2.33 फीसदी की गिरावट के साथ ही 19,513.30 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

वहीं एशिया-प्रशांत बाजारों में भी शुक्रवार को गिरावट रही। निक्केई सूचकांक एक फीसदी से अधिक गिरा, दक्षिण कोरिया का कोस्वी 0.88 फीसदी गिरा, ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 0.23 फीसदी नीचे आया। इसके साथ ही अमेरिकी बाजारों में भी कमजोरी आई। एसएंडपी 500 और नैस्डैक कंपोजिट में 0.7 फीसदी और 2 फीसदी की गिरावट रही। डाओं जोंस करीब 0.5 फीसदी गिरावट पर रहा।

एलआईसी ने हिंदुस्तान कॉपर में अपनी हिस्सेदारी कम की ,टूट गए शेयर

नई दिल्ली । भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने हिंदुस्तान कॉपर में अपनी हिस्सेदारी कम कर दी है। एलआईसी ने 10 मार्च 2022 से लेकर 19 जुलाई तक की अवधि के दौरान ओपन मार्केट के माध्यम से 117.62 रुपये की औसत लागत पर 20,054,042 इक्विटी शेयर या 2.074 प्रतिशत इक्विटी बेच दी है। हिस्दुस्तान कॉपर तांबे और तांबे के अयस्क की खोज, दोहन और खनन में काम करती है, जिसमें खनिजों से लाभ कमाना, गलाना और शोधन शामिल है। वहीं, एलआईसी 65 वर्षों से अधिक समय से भारत में जीवन बीमा प्रदान कर रही है और यह देश की सबसे बड़ी जीवन बीमाकर्ता कंपनी है।

एलआईसी ने हिंदुस्तान कॉपर में से अपनी कुल हिस्सेदारी 12.32 प्रतिशत से घटाकर 10.24 प्रतिशत कर दी है। बीमा कंपनी के इस कदम के बाद हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड में अब एलआईसी की हिस्सेदारी 11,91,64,785 से घटकर 9,91,10,743 इक्विटी शेयर रह गई है। हिस्सेदारी कम करने के बाद बीएसई पर एलआईसी के शेयर 1.11 प्रतिशत बढ़कर 627.30 रुपये और हिंदुस्तान कॉपर 0.13 प्रतिशत गिरकर 119.60 रुपये पर पहुंच गए। भारत सरकार के स्वामित्व वाली कंपनी

हिंदुस्तान कॉपर की स्थापना 9 नंवबर 1967 को हुई थी। यह कंपनी तांबा उत्पादन का काम करती है, जिसमें खनन से लेकर प्रोडक्ट बनाने तक का काम शामिल है। एचसीएल के पास कॉपर कॉन्संट्रेट, कॉपर कैथोड, कंटीन्यूअस कास्ट कॉपर रॉड और एनोड स्लाइम, कॉपर सल्फेट एवं सल्फ्यूरिक एसिड जैसे उप-उत्पादों के उत्पादन और विपणन की सुविधाएं हैं। वर्तमान में, कंपनी खनन और लाभकारी संचालन पर ध्यान केंद्रित कर रही है और साथ ही कॉपर कंसंन्ट्रेट को मुख्य उत्पाद के रूप में बेच रही है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजारों में क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों में शुक्रवार को कोई खास बदलाव नहीं दर्ज किया गया। वहीं भारतीय बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। ब्रेंट क्रूड अब भी 80 डॉलर के आसपास बना हुआ है। नोएडा में पेट्रोल 35 पैसे सस्ता होकर 96.65 रुपये लीटर जबकि डीजल 32 पैसे गिरकर 89.82 रुपये लीटर पहुंच गया है। वहीं दिल् ली-मुंबई में इसकी कीमतों में अधिक बदलाव नहीं आया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 27 पैसे गिरावट के साथ 107.32 रुपये लीटर और डीजल 25 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.11 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। गुरुग्राम में भी पेट्रोल की कीमतें कम होकर 96.89 रुपये लीटर आ गयी हैं। वहीं डीजल 21 पैसे फिसलकर 89.76 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। ब्रेंट क्रूड 79.72 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। डब् ल यूटीआई के दाम भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में 75.63 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गये हैं। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर पर है।

अशोक लीलैंड का पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 747 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई । हिंदुजा ग्रुप के स्वामित्व वाली वाहन कंपनी अशोक लीलैंड का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 747 प्रतिशत बढ़कर 576.42 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 66.05 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। पहली तिमाही वित्तीय साल 24 के लिए परिचालन से राजस्व सालाना आधार पर 13.3 फीसदी बढ़कर 8,189.29 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल की तिमाही में राजस्व 7,222.65 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी के ऑपरेशनल परफॉर्मेंस में सुधार हुआ क्योंकि कामकाजी मुनाफा (एबिटा) पहली तिमाही वित्तीय साल 24 में बढ़कर 820.8 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 320.2 करोड़ रुपये थी। पहली तिमाही वित्तीय साल 24 में एबिटा मार्जिन सालाना आधार पर 4.4 प्रतिशत से 5.6 प्रतिशत बढ़कर 10 प्रतिशत हो गया। कंपनी के एक्जिक्यूटिव चेयरमैन धीरज हिंदुजा ने कहा, हम अंतरराष्ट्रीय विस्तार में अपने प्रयासों को तेज कर रहे हैं। अपनी इलेक्ट्रिक वाहन सब्सिडियरी कंपनी, स्विच मोबिलिटी के माध्यम से, हम सक्रिय रूप से नेट जीरो कार्बन मोबिलिटी की ओर बढ़ रहे हैं। ईवी मार्केट धीरे-धीरे बढ़ रही है, और हम हम एक स्पष्ट रोडमैप के साथ इस डेवलपमेंट में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं।' अशोक लीलैंड के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शेनू अग्रवाल ने कहा, 'राजस्व में विस्तार और कुशल लागत प्रबंधन के साथ, हमने अपने मुनाफे में काफी सुधार देखा है। जबकि हम कुशल उत्पादों और नेटवर्क में विस्तार के दम पर बाजार में अपनी पैठ बढ़ाना जारी रखे हुए हैं। इसी अवधि में, अशोक लीलैंड की घरेलू मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों (एमएचसीवी) के वॉल्यूम में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई और बाजार हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से बढ़कर 31.2 प्रतिशत हो गई। एमएचसीवी ट्रक मार्केट हिस्सेदारी पहली तिमाही वित्तीय साल 24 के लिए 31.7 प्रतिशत थी, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 31.1 प्रतिशत थी।

जेएसडब्ल्यू स्टील का शुद्ध लाभ 189.3 प्रतिशत बढ़ा

अगले तीन साल में 50 मिलियन टन उत्पादन होगा

मुंबई । स्टील सेक्टर की कंपनी जेएसडब्ल्यू स्टील ने बताया कि 30 जून,2023 को समाप्त हुई तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 189.3 प्रतिशत बढ़कर 2,428 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 839 करोड़ रुपये था। इस अवधि के दौरान कंपनी का परिचालन से राजस्व पिछले साल के 38,086 करोड़ रुपये के मुकाबले 10.3 प्रतिशत बढ़कर 42,213 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, जून तिमाही में कंपनी का मुनाफा 31 मार्च को खत्म हुई पिछली तिमाही के 3,741 करोड़ से कम रहा। इससे पहले कंपनी के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने कहा था कि कंपनी अगले तीन साल में अपनी क्षमता लगभग दोगुनी कर 50 मिलियन टन करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी पूरे 50 मिलियन टन उत्पादन को चालू करने के लिए बिजली के रिन्यूबल सोर्सेज की तरफ शिफ्ट होने का भी लक्ष्य बना रही है। फिलहाल जेएसडब्ल्यू स्टील की क्षमता 28 मिलियन टन है और जिंदल के मुताबिक अगले साल यह 37 मिलियन टन होगी। जिंदल ने कहा, 'जेएसडब्ल्यू स्टील शायद दुनिया की पहली स्टील कंपनी होगी जो 50 मिलियन टन क्षमता वाली होगी और 100 प्रतिशत रिन्यूबल एनर्जी पर काम करेगी।' इसने इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के दौरान समेकित इस्पात प्रोडक्शन में 11 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 6.43 मीट्रिक टन की वृद्धि दर्ज की। जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की अप्रैल-जून अवधि के दौरान जेएसडब्ल्यू स्टील ने 5.77 मिलियन टन (एमटी) स्टील का उत्पादन किया था। इसके अलावा, ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, जेएसडब्ल्यू स्टील कनाडा के स्टीलमेकिंग कोयला व्यवसाय में 20 प्रतिशत तक की हिस्सेदारी के लिए बोली लगाने पर विचार कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय स्टील मेकर अधिग्रहण के लिए संभावित फाइनैंशिंग पर बैंकों के साथ चर्चा कर रहा है, जो कुल 2 अरब डॉलर हो सकता है, रिपोर्ट में कहा गया है कि चर्चा प्रारंभिक चरण में है और कीमत और समय जैसे डिटेल्स बदल सकते हैं।

बेंगलुरु में रियल एस्टेट क्षेत्र में आएगा बूम......

फ्लिपकार्ट कर्मचारियों के कारण

मुंबई । ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट ने अपने कर्मचारियों को 700 मिलियन डॉलर यानी करीब 5,745 करोड़ रुपये का कंपनसेशन देना शुरू कर दिया है। अगर भारत के स्टार्टअप ईकोसिस्टम की बात करें तब यह पहला स्टार्टअप है, जो एक बार में इतना बड़ा अमाउंट ईएसओपी पेआऊट के तौर पर दे रहा है। अनुमान लगाया जा रहा है कि 5,745 करोड़ में से करीब आधा पैसा कर्मचारी प्रॉपर्टी खरीदने पर खर्च कर सकते हैं।

बता दें कि कंपनी की तरफ से यह कंपनसेशन फ्लिपकार्ट से फोनपे के डीमर्जर के तहत दिया जा रहा है। ये पहला स्टार्टअप है जो एक बार में इतना बड़ा अमाउंट कंपनसेशन के तौर पर दे रहा है। दिसबंर 2022 में फोनपे अपनी पैरेंट कंपनी फ्लिपकार्ट से अलग हुआ था, जिसके करीब 7 महीनों बाद कंपनी अपने कर्मचारियों को भुगतान कर रही है। इस खबर के बाद बेंगलुरु की रियल एस्टेट कंपनियों के चेहरे खिल उठे हैं। बेंगलुरु में रियल एस्टेट क्षेत्र को निवेश का एक बड़ा हिस्सा मिलने की उम्मीद है। दरअसल, बेंगलुरु के बेलंदूर इलाके में फ्लिपकार्ट का ऑफिस है। इस इलाके में 4 बीएचके और विला की मांग है, जिनकी कीमतें 3.5 से 5 करोड़ रुपये के बीच है। कंपनी के ऐलान के बाद इस इलाके में प्रॉपर्टी की कीमतें बढ़ सकती हैं। बाजार जानकारों ने बताया फ्लिपकार्ट के कर्मचारी अगले कुछ महीनों में बेंगलुरु में 2,800 करोड़ रुपये की संपत्ति खरीद सकते हैं। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट में निवेश विकल्पों के लिए फ्लिपकार्ट के वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों ने उनसे संपर्क किया था। कंपनी के बोर्ड ने हर स्टॉक ऑप्शन के लिए योग्य कर्मचारियों को 43.67 डॉलर का भुगतान करने की मंजूरी दे दी है। यह भुगतान कंपनी के मौजूदा और पूर्व सभी कर्मचारियों को किया जा रहा है।

गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (डीजीएफटी) ने नोटिफिकेशन में यह जानकारी दी। नोटिफिकेशन के अनुसार, गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात को बैन किया गया है। बासमती चावल के एक्सपोर्ट पर रोक नहीं लगाई गई है। भारत में पिछले कुछ महीनों में खाने-पीने की चीजों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। गेहूं, चावल, दूध, सब्जियों के साथ-साथ दालों की कीमतों में भी बढ़ोतरी देखी गई है। देश में चावल की कीमतों को बढ़ने से रोकने के लिए सरकार ने एक्सपोर्ट बैन किया है। हालांकि, कुछ शर्तों के साथ गैर-बासमती चावल का अब भी निर्यात हो सकता है। नोटिफिकेशन में कहा गया कि इस चावल की खेप को 4 अलग-अलग शर्तों के तहत अब भी निर्यात की अनुमति दी। अनुमति उसी चावल की खेप को मिलेगी जहां शिपिंग

बिल फाइल किया गया है और जहाज पहले ही आ चुके हैं और भारतीय बंदरगाहों पर लंगर डाले हुए हैं। साथ ही अधिसूचना से पहले उन्हें रोटेशन नंबर आवंटित किया गया है। साथ ही गैर-बासमती चावल की जो खेप इस नोटिफिकेशन से पहले ग्राहकों को सौंपी जा चुकी है और पहले से ही उनके सिस्टम में रजिस्टर्ड है। साथ ही उन मामलों में भी चावल के निर्यात की अनुमति होगी जहां सरकार ने दूसरे देशों को इसकी इजाजत दे रखी है। केंद्र ने इन देशों के फूड सिक्योरिटी की जरूरतों को देखते हुए इस तरह की अनुमति दी है।

जय शाह ने आधिकारिक कार्यक्रम से पहले साझा किया एशिया कप 2023 का शेड्यूल, पीसीबी ने जताया ऐतराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2023 का शेड्यूल एएशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मिलकर जारी कर दिया है। इस शेड्यूल के मुताबिक इस बार टूर्नामेंट हाईब्रिड मॉडल में होगा। टूर्नामेंट में इस बार पाकिस्तान और श्रीलंका में मुकाबले खेले जाएंगे।

वहीं अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस शेड्यूल को जारी करने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। लाहौर में आधिकारिक समारोह से पहले आगामी एशिया कप 2023 के कार्यक्रम का खुलासा करने के लिए बीसीसीआई सचिव और एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष जय शाह से पीसीबी ने नाराजगी व्यक्त की।

जानकारी के मुताबिक पीसीबी ने 19 जुलाई को लाहोर में इवेंट के जरिए एशिया कप के शेड्यूल को जारी करने की तैयारी की थी। इस दौरान ट्रॉफी का उद्घाटन भी किया जाना था। इस कार्यक्रम में पाकिस्तान के कुछ पूर्व क्रिकेटरों और ज़का अशरफ की अध्यक्षता वाली पीसीबी क्रिकेट प्रबंधन समिति (सीएमसी) की उपस्थिति थी।

वहीं पाकिस्तान ने आरोप लगााया है कि इस कार्यक्रम की शुरुआत से महज 30 मिनट पहले ही एसीसी अध्यक्ष जय शाह ने शाह ने एशिया कप कार्यक्रम की घोषणा सोशल मीडिया के जरिए कर दी। इससे पीसीबी असंतुष्ट और निराश महसूस कर रहा है। पीसीबी ने कहा कि इस तरह कुछ समय पहले एशिया कप के शेड्यूल को जारी करना सही नहीं है। इस मामले पर एसीसी की ओर से कहा गया है कि भारत और पाकिस्तान के समय में आधे घंटे का फर्क है। ऐसे में 30 मिनट की जल्दी इस फर्क के कारण ही हुई है।

दो सितंबर से होगी शुरुआत

भारत बुधवार को एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत दो सितंबर को कैंडी में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगा जबकि 10 सितंबर को कोलंबो में सुपर चार चरण में उसका सामना फिर अपने इस चिर प्रतिद्वंद्वी से होगा। ऐसा भी मौका बन सकता है कि 15 दिन के अंदर भारत-पाक तीसरी बार एक दूसरे के आमने सामने हों और ऐसा दोनों टीमों के 17 सितंबर को प्रेमदासा स्टेडियम में होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की स्थिति में हो सकता है।

छह टीमों का यह एक दिवसीय टूर्नामेंट 30 अगस्त से मुल्तान में आरंभ होगा जिसमें मेजबान पाकिस्तान का सामना नेपाल से होगा। यह टूर्नामेंट आईसीसी विश्व कप की तैयारियों के लिए अहम होगा। एशिया कप 'हाइब्रिड मॉडल' के आधार पर खेला जा रहा है जिसमें चार मैच पाकिस्तान में खेले जायेंगे जबकि फाइनल सहित नौ अन्य मुकाबले श्रीलंका के कैंडी और कोलंबो में आयोजित होंगे। भारत के अलावा पाकिस्तान और नेपाल ग्रुप ए में शामिल हैं जबकि अफगानिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश ग्रुप बी की टीमें हैं। एसीसी अध्यक्ष जय शाह ने जारी विज्ञप्ति में कहा कि पहले दौर के बाद पाकिस्तान इसमें ए1 और भारत ए2 टीम बना रहेगा, भले ही उनके स्थान कोई भी रहें। अगर इन दोनों में से कोई भी टीम क्वालीफाई नहीं करती है तो नेपाल उनकी जगह लेगा। इसी तरह ग्रुप बी में श्रीलंकाई टीम बी1 और बांग्लादेश बी2 टीम हेगी।

कोरिया ओपन के सेमीफाइनल में सात्विक-चिराग

योसु (कोरिया) (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने शुक्रवार को जापान के युगो कोबायाशी और ताकुरो होकी को हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। सात्विक-चिराग ने अपने जापानी प्रतिद्वंदियों को 21-14, 21-17 से हराने के लिए सिफ 40 मिनट का समय लिया।

सेमीफाइनल में विश्व नंबर तीन भारतीय जोड़ी विश्व नंबर दो चीन के लियांग वेंग किंग और वांग चैंग से भिड़ेगी। यह कोबायाशी और होकी के विरुद्ध सात्विक-चिराग की तीसरी जीत थी जिसके लिए उन्हें ज़रा भी मशक्कत नहीं करनी पड़ी। इस मुकाबले का मुख्य आकर्षण सात्विक का आक्रामक रवैया रहा जिन्होंने एक बार फिर 500 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से स्मैश मारा। पहले गेम में स्कोर जब 5-5 पर बराबर था तब भारतीय युगल ने आक्रामक रुख अपनाते हुए ब्रेक तक 11-6 की बढ़त बना ली।

जापान ने ब्रेक के बाद वापसी करनी चाही लेकिन सात्विक के स्मैश की मदद से भारतीय जोड़ी ने पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में जापानी युगल ने बेहतर अनुशासन दिखाया, हालांकि भारतीय जोड़ी 11-9 की बढ़त बनाने में कामयाब रही। सात्विक-चिराग जब 14-9 से आगे थे तब कोबायाशी-होकी ने संघर्ष करते हुए स्कोर 16-16 पर बराबर कर लिया। भारतीय युगल ने इसके बाद अपने जापानी प्रतिद्वंदियों को सिर्फ दो अंक लेने दिए और सीधे सेटों में मुकाबला जीत लिया।

आयरलैंड सीरीज के लिए भारत को मिलेगा नया टी20 कप्तान, हार्दिक पांड्या को मिलेगा आराम

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। भारतीय टीम 18 अगस्त से शुरू होने वाली तीन मैचों की ञ्20द्ध श्रृंखला के लिए आयरलैंड का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। आयरलैंड का दौरा करने के लिए भारत की दूसरी पंक्ति की टीम उतारने की उम्मीद है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को तीन मैचों की श्रृंखला के लिए टीम का नेतृत्व करने की उम्मीद थी। हालांकि हालिया रिपोर्टों से पता चला है कि पांड्या को आराम दिया जा सकता है, इसके पीछे उनका कार्यभार मुख्य कारण है।

पांड्या का कार्यभार प्रबंधन भारतीय टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है, क्योंकि वह आगामी विश्व कप टीम और एशिया कप 2023 का भी अभिन्न हिस्सा हो सकते हैं। इस मामले की जानकारी रखने वाले बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा कि अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है और सब कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के बाद पांड्या कैसा महसूस कर रहे हैं।

रिपोर्ट में बीसीसीआई सूत्र के हवाले से कहा गया, पांड्या का कार्यभार प्रबंधन भारतीय टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है, क्योंकि वह आगामी विश्व कप टीम और एशिया कप 2023 का भी अभिन्न हिस्सा हो सकते हैं। इस मामले की जानकारी रखने वाले बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा कि अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है और सब कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के बाद पांड्या कैसा महसूस कर रहे हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में सिर्फ विराट कोहली ने ही नहीं रोहित शर्मा ने भी बनाया है शानदार रिकॉड...

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ना सिर्फ शानदार कप्तान है बल्कि वो बेहतरीन ओपनर भी है। रोहित शर्मा उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शुमार हैं जो खिलाड़ियों की धज्जियां उड़ाने में सक्षम है। वर्तमान में वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज में रोहित शर्मा दमदार फॉर्म में खेल रहे है। इस सीरीज में उनके बल्ले से धडल्ले से रन निकल रहे है। दूसरे टेस्ट मैच में रोहित शर्मा भले ही शतक लगाने से चूक गए मगर अर्धशतक की बदौलत भी उन्होंने कई खास रिकॉर्ड बनाए।

दूसरे टेस्ट मैच में यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर रोहित शर्मा ने पहले विकेट के लिए 139 रन बनाए। रोहित शर्मा ने इस मैच में 80 रन बनाए और पवेलियन लौट गए। भले ही रोहित शर्मा अपने टेस्ट करियर की एक और टेस्ट सेंचुरी नहीं बना सके मगर इस दौरान उन्होंने शानदार रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। रोहित शर्मा ने मैच में अर्धशतक जड़ते ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 2000 रन पूरे किए है। तीनों फॉर्मे में 2000 से अधिक रन बनाने वाले तीसरे ओपनर भी रोहित शर्मा बन गए है। ओपनर के तौर पर 2000 रन बनाने में सिर्फ डेविड वार्नर और मार्टिन गुप्टिल के नाम है। रोहित शर्मा ने टेस्ट में ओपनिंग करते हुए दो हजार रन पूरे किए है। इस रिकॉर्ड को बनाकर उन्होंने पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर और गौतम गंभीर को पछाड़ दिया है।

बता दें कि रोहित शर्मा ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 2000 रन 40 पारियों में पूरे किए है। उन्होंने इस रिकॉर्ड को बनाकर श्रीलंका के दिमुथ करुणारत्ने और ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को पछाड़ा है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में सर्वाधिक तेजी से 2000 रन मार्नस लाबुशेन ने बनाए है।

महिला विश्व कप : स्पेन ने कोस्टा रिका को 3-0 से हराया

वेलिंगटन। स्पेन ने पहले हाफ में चार मिनट के अंदर तीन गोल करके महिला फुटबॉल विश्व कप मुकाबले में कोस्टा रिका पर 3-0 से जीत हासिल की। स्पेन की दो बार की 'बलोन डि ओर' विजेता एलेक्सिस पुतेलास 77वें मिनट में मैदान में उतरी लेकिन तब तक टीम की जीत सुनिश्चित हो चुकी थी। स्पेन ने वालेरिया डे कैम्पो के 21वें मिनट में आत्मघाती गोल की मदद से बढ़त हासिल की। फिर ऐताना बोनमाटी ने 23वें और ईस्थर गोंजालेज ने 27वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को 3-0 से आगे कर दिया और यह बढ़त अंत तक बरकरार रही।

पहले टेस्ट में दोहरा शतक नहीं लगा पाने से निराश हैं यशस्वी

पोर्ट आफ स्पेन। टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पदार्पण टेस्ट में ही शानदार प्रदर्शन कर शतक लगाया है। इसके बाद दूसरे टेस्ट में भी इस बल्लेबाज ने अर्धशतक लगाया। इसके बाद भी यशस्वी अपने प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं हैं। इस बल्लेबाज ने कहा कि उन्हें पहले टेस्ट में दौहरा शतक नहीं लगाने का दुख है।

यशस्वी ने इस मैच में 171 रन बनाये थे और वह दोहरे शतक के बेहद करीब पहुंच गये थे। यशस्वी ने कहा कि कप्तान रोहित रोहित शर्मा के साथ बल्लेबाजी करने का अनुभव अच्छा रहा है। वह लगातार बताते हैं कि किस प्रकार से खेलना है और कब क्या किया जा सकता है। साथ ही कहा कि उन्हें पहले टेस्ट में दोहरा शतक नहीं लगाने का दुख है। यशस्वी ने कहा कि दोहरा शतक पूरा नहीं करने के कारण मैं निराश हूं पर ये होता है। मुझे हर अनुभव से सीखना है। जब भी बल्लेबाजी करूं तो लंबी पारी खेलने की कोशिश करूं। इस दौरान में दबाव का, हालात का, विकेट का और माहौल का हर चीज का आनंद ले रहा हूं। उन्होंने कहा कि मेरी सफलता का राज हर किसी के अनुभव से सीखना रहा है पर मैं वही करता हूं जो मुझे अच्छा लगता है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज राहुल द्रविड़, विराट कोहली और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ से मिली सलाह के बारे में यशस्वी जायसवाल ने कहा कि हर किसी का चीजों को बताने का अपना तरीका है और अपना अनुभव है। मैं सभी की सुनता हूं और जो मेरे खेल के अनुकूल होता है, वह करता हूं। उन्होंने कहा कि अनुभवी खिलाड़ी जब बोलते हैं, तो सीखने के लिए बहुत कुछ होता है। मैं उसे सुनता हूं और अपने खेल के अनुरूप उसे अपनाने की कोशिश करता हूं।

विनेश-बजरंग को एशियाड ट्रायल में छूट का मामला हाई कोर्ट पहुंचा, शनिवार को होगा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को एशियाई खेलों के लिये चयन ट्रायल से मिली छूट को चुनौती देने वाली याचिका पर 22 जुलाई को फैसला सुनाया जाएगा।

न्यायाधीश सुब्रहमण्यम प्रसाद ने अंडर 20 विश्व चैम्पियन अंतिम पंघाल और अंडर 23 एशियाई चैम्पियन सुजीत कलकल की याचिका पर शुक्रवार को फैसला सुरक्षित रखा। उन्होंने कार्यवाही के दौरान कहा, 'अदालत का काम यह पता लगाना नहीं है कि कौन बेहतर है। हमारा काम यह सुनिश्चित करना है कि प्रक्रिया का पालन हुआ या नहीं।' फोगाट (53 किलो) और पूनिया (65 किलो) को भारतीय ओलंपिक संघ की तदर्थ समिति ने मंगलवार को एशियाई खेलों में सीधे प्रवेश देने का फैसला किया। दूसरे पहलवानों के लिये ट्रायल 22 और 23 जुलाई को होने हैं। पंघाल और कलकल ने इस फैसले को चुनौती दी है। एडवोकेट रिषिकेश बरूआ और अक्षय कुमार द्वारा दाखिल याचिका में उन्होंने तदर्थ समिति के इस फैसले को रद्द करने की मांग की है। बरूआ ने इस फैसले को कई आधार पर चुनौती दी जिसमें अगस्त 2022 में खिलाड़ियों को चयन ट्रायल से छूट देने का प्रावधान वापिस लेने का भारतीय कुश्ती महासंघ की आमसभा का फैसला भी एक आधार है। तदर्थ समिति के वकील ने हालांकि कहा कि इस तरह का कोई फैसला फाइल में नहीं है। अदालत ने उन्हें इसके पक्ष में हलफनामा जमा करने को कहा। अदालत ने बृहस्पतिवार को डब्ल्यूएफआई का कामकाज देख रही तदर्थ समिति से फोगाट और पूनिया को चयन ट्रायल से छूट देने के कारण बताने को कहा था।

भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो लीग अभियान की शुरूआत करेंगी भारतीय हॉकी टीमें

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2023-2024 सत्र के अपने अभियान का आगाज भुवनेश्वर में चीन के खिलाफ करेगी जबकि पुरूष टीम का सामना स्पेन से होगा। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने बृहस्पतिवार को पांचवें प्रो लीग के कार्यक्रम की घोषणा की। भारतीय खिलाड़ियों का मानना है कि इस टूर्नामेंट से उन्हें पेरिस ओलंपिक की तैयारी में मदद मिलेगी। दोनों टीमें अपने अभियान की शुरूआत भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम और राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम पर करेंगी। एफआईएच नेशंस लीग चैम्पियन भारतीय महिला टीम छह फरवरी को चीन के खिलाफ भुवनेश्वर में खेलेगी। इसके बाद उसे नीदरलैंड, आस्ट्रेलिया और अमेरिका से खेलना है। राउरकेला में उसका सामना चीन, नीदरलैंड, आस्ट्रेलिया और अमेरिका से फिर होगा। घरेलू मैचों के बाद भारतीय महिला टीम बेल्जियम और ब्रिटेन में अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ब्रिटेन का सामना करेगी। वहीं पुरूष टीम 10 फरवरी को कलिंगा स्टेडियम पर पहले मैच में स्पेन से खेलेगी। पिछले सत्र में भारत चौथे स्थान पर रहा था और इस बार नजरें पोडियम पर रहेंगी। भारत घरेलू मैचों में स्पेन, नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड से खेलने के बाद बेल्जियम, जर्मनी और ब्रिटेन में अर्जेंटीना और बेल्जियम से खेलेगा।

घरेलू प्रणाली और टीम के अच्छे माहौल के कारण आते ही बेहतर प्रदर्शन कर रहे युवा खिलाड़ी: द्रविड़

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। (ईएमएस)। टीम इंडिया के मुख्य कोच ने कहा है कि आजकल युवा खिलाड़ी टीम में आते ही बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं जो एक अच्छा संकेत है। राहुल ने कहा कि ये बदलाव मजबूत घरेलू ढ़ांचे और टीम में बेहतर माहौल के कारण आया है। द्रविड़ ने ये बात शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ियों को देखकर दी है। शुभमन और यशस्वी ने टीम में आने के साथ ही अच्छा प्रदर्शन किया है।

द्रविड़ ने पर कहा, 'यह घरेलू प्रणाली के कारण संभव हुआहै। यह टीम के आस-पास के माहौल के करण संभव हुआ है कि अब युवा खिलाड़ी आते ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'विशेषकर बल्लेबाजी विभाग में इस तरह के खिलाड़ियों को तैयार करने का बहुत कुछ श्रेय घरेलू प्रणाली को जाता है। इसके अलावा टीम के अंदर के सहज माहौल भी युवा खिलाड़ी को अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में सहायता करता है।

उन्होंने कहा, 'कई युवा खिलाड़ी हैं जो एकदिवसीय और टी-20 में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इसलिए निश्चित तौर पर श्रेय घरेलू प्रणाली, राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी और उन कई लोगों को जाता है जिन्होंने हमारे लिए इसे संभव बनाया। द्रविड़ ने इसके साथ ही युवा खिलाड़ियों को सावधान करते हुए कहा कि उन्हें आगे कठिन परिक्षाओं का भी सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि यशस्वी और शुभमन जैसे खिलाड़ियों को आगे कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। मेरा मानना है कि आज के दौर में जब युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करने लग जाते हैं और लोग उन्हें जानने लग जाते हैं तो फिर विरोधी टीम उनके लिए रणनीति तैयार करने लग जाती हैं। इसलिए खिलाड़ियों को इसके लिए भी तैयार रहना होगा।

लियोनेल मेसी इंटर मियामी में 22 जुलाई को करेंगे डेब्यू

अमेरिका में फुटबॉल का काफी क्रेज देखने को मिलता है। वहीं अब अमेरिकी फुटबॉल क्लब के साथ दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी और अर्जेंटीना की टीम को विश्व विजेता का खिताब दिलाने वाले लियोनेल मेसी जुड़ गए है। लियोनेल मेसी के अमेरिकी फुटबॉल क्लब इंटर मियामी के साथ जुड़ने के बाद निसंदेह अमेरीकी फुटबॉल क्लब को भी मजबूती मिलेगी। दिग्गजों का कहना है कि मेसी के पहले और मेसी के बाद अमेरिका में फुटबॉल की बात की जाती रहेगी। इंटर मियामी के सह मालिक जॉर्ज मास ने ये बात कही है। उन्होंने मेसी के इंटर मियामी के लिए 22 जुलाई को पदार्पण मुकाबले से पहले ये बात कही है। बता दें कि पिछले महीने अमेरिका की मेजर लीग सॉकर के लिए लियोनेल मेसी को साइन किया गया था। इस लीग में हिस्सा ले रहे क्लब इंटर मियामी की सह मालिक जॉर्ज मास, जोस मास और डेविड बेकहम भी है। बता दें कि 22 जुलाई को सुबह 5.30 बजे मियामी लीग कप में फ्लोरिडा के डीआरवी पीएनके स्टेडियम में मेक्सीकन कल्ब के खिलाफ पहला मुकाबला खेला जाएगा। यह पिछले रविवार को मेसी के औपचारिक अनावरण के बाद आया है। इस मौके पर सात बार के बैलन डी'ओर विजेता लियोनेल मेसी को प्रत्यक्ष रूप से देखने के लिए मियामी के घरेलू मैदान में 20,000 से अधिक लोग जमा हुए थे। मियामी में लियोनेल मेसी को गेरार्डो 'टाटा' मार्टिनो द्वारा ट्रेनिंग दी जाएगी। इससे पहले दोनों 2013-14 के उथल-पुथल भरे सीज़न के दौरान बार्सिलोना में साथ काम किया था। वर्ष 2014 और 2016 के बीच अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के लिए भी दोनों साथ आ चुके है।

ऋषभ ने विडियो शेयर कर कहा, वापसी के लिए जमकर मेहनत करेंगे

बेंगलूर (एजेंसी)। टीम इंडिया के आक्रामक विकेटीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आजकल यहां राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रहैब के दौर से गुजर रहे हैं। ऋषभ कार हादसे से उबरने के बाद अब तेजी से ठीक हो रहे हैं। इस क्रिकेटर ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह वेटलिफ्टिंग करते दिख रहे हैं।

ऋषभ ने इस वीडियो को शेयर करने के साथ दो लाइन का संदेश भी साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा, आपको वह मिलता है जिसके लिए आप काम करते हैं, वह नहीं जो आप चाहते हैं। इस प्रकार उन्होंने अपने वापसी के मजबूत इरादे जताये हैं। इसमें उन्होंने बताया है कि वह वापसी के लिए जमकर मेहनत करेंगे। एक मिनट के इस वीडियो में वह अपने चोटिल पैर पर खड़े होने का प्रयास कर रहे थे हालांकि उनक अब एकदिवसीय विश्वकप खेलने की संभावनाएं नहीं हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के भी एक अधिकारी ने कहा कि ऋषभ विश्वकप तक फिट नहीं हो सकते। साथ ही कहा कि उन्हें विकेटकीपिंग भूमिका में वापस आने के लिए अभी समय लगेगा।

ऋषभ के घुटने की फरवरी में ही लिगामेंट कंस्ट्रक्शन सर्जरी हुई थी। उनके दाएं घुटने के तीनों लिगामेंट को सर्जरी की जरूरत थी। इसी कारण पक्के तौर पर उनकी वापसी को लेकर कुछ नहीं कहा जा सकता है। अभी बीसीसीआई की मेडिकल टीम ऋषभ को फिट होने के लिए ज्यादा से ज्यादा समय देना चाहती है। ऐसी भी संभावना है कि वह टीम इंडिया में वापसी से पहले घरेलू क्रिकेट खेलें। उनके दिसंबर तक भी फिट होने की उम्मीदें कम है। वह अगले साल फरवरी-मार्च तक फिट हो सकते हैं. उनकी गैरहाजिरी में टीम इंडिया टेस्ट में युवा ईशान किशन और केएस भरत जबकि एकदिवसीय में संजू सैमसन और केएल राहुल को उतार रही है।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने सौराष्ट्र के वर्षा प्रभावित जिलों की स्थिति की समीक्षा की

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भारी वर्षा से प्रभावित जूनागढ़ और गिर सोमनाथ जिले में जलमग्न क्षेत्रों का शुक्रवार को हवाई निरीक्षण करने के बाद जूनागढ़ में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने जूनागढ़ के अलावा पोरबंदर, गिर सोमनाथ, भावनगर और राजकोट जिले के कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर उनके जिलों में बरसात की स्थिति का जायजा भी लिया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भारी वर्षा से प्रभावित जिन क्षेत्रों में फसलों और घरेलू सामानों को नुकसान पहुंचा है, वहां तत्काल सर्वे कर सरकार के मानदंडों के अनुसार शीघ्र सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। अति भारी वर्षा की स्थिति में मालधारियों (पशुपालकों) की घास भीगने और पानी में बह जाने की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने वन विभाग और इस संबंध में समन्वय करने वाले संबंधित विभाग के अधिकारियों को प्रभावित जिलों में तत्काल सूखी घास पहुंचाने के लिए निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने वर्षा प्रभावित जिलों में हुई पशुओं की मृत्यु पर चिंता व्यक्त करते हुए पशुपालकों को जल्द ही नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने का संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने सौराष्ट्र के जूनागढ़, राजकोट, पोरबंदर, गिर सोमनाथ और भावनगर जिले के कलेक्टरों को यह स्पष्ट निर्देश दिए कि महामारी को फैलने से रोकने के लिए प्राथमिकता के आधार पर बारिश के रुकते ही तुरंत सफाई कार्य शुरू करना आवश्यक है। उन्होंने इसके लिए आवश्यकतानुसार अन्य जिलों से भी स्वास्थ्य टीमों को बुलाने के निर्देश दिए। खेतीबाड़ी को हुए नुकसान के संबंध में मुख्यमंत्री ने इस बैठक में कहा कि खेतों में बरसात के पानी के कम होने के बाद तत्काल सर्वे कार्य शुरू किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने स्थानीय विधायक के सुझावों तथा अधिकारियों के प्रभावित स्थल के दौरे के बाद की रिपोर्टों और सुझावों को भी ध्यान में लेकर घेड क्षेत्र में हर साल होने वाले जलभराव के निराकरण के लिए स्थायी व्यवस्था करने पर विचार-विमर्श किया।

इस बैठक में मुख्य सचिव राज कुमार ने जिले के अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया। जूनागढ़ के कलेक्टर अनिल कुमार राणावसिया, गिर सोमनाथ के कलेक्टर एच.के. वढवाणिया, भावनगर के कलेक्टर आर.के. मेहता, राजकोट के कलेक्टर प्रभव जोशी ने भारी वर्षा के दौरान उनके जिलों में प्रशासन द्वारा किए गए तत्काल राहत एवं बचाव कार्य की जानकारी दी। बैठक में जूनागढ़ जिले के विधायकगणों ने आवश्यक सुझाव दिए। एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, राजस्व विभाग, एम.के. दास, प्रभारी सचिव मनीष भारद्वाज, राहत आयुक्त आलोक कुमार, मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) आराधना साहू, मनपा आयुक्त राजेश तन्ना, जिला भाजपा अध्यक्ष महेन्द्रभाई पीठिया और किरीटभाई पटेल, अग्रणी दिनेशभाई खटारिया, गिरीशभाई कोटेचा, पुनित शर्मा आदि इस बैठक में शामिल हुए। गिर सोमनाथ जिले के पदाधिकारी भी वर्चुअल तरीके से बैठक में उपस्थित रहे।

अहमदाबाद के दुर्घटना के बाद सूरत पुलिस हरकत में

सूरत। अहमदाबाद के एसजी हाईवे के इस्कॉन ब्रिज पर बुधवार देर रात हुई दुर्घटना में 10 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद सूरत पुलिस हरकत में आ गई और वाहन चालकों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। सूरत ट्रैफिक पुलिस ने बीती रात विशेष अभियान के तहत नंबर प्लेट विहीन वाहन, डार्क फिल्म, तीन सवारी, चालू वाहन पर मोबाइल पर बात करने और रोंग साइड में वाहन चलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की। सूरत ट्रैफिक पुलिस ने एक ही रात में चार रिजीयन डार्क फिल्म के 243, नंबर प्लेट विहीन 719 वाहन, तीन सवारी के 344 वाहन, रोंग साइड वाहन चलाने के 6 और चालू मोबाइल पर बातचीत करते 52 समेत कुल 1364 वाहन चालकों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की। इन सभी मामलों में सूरत ट्रैफिक पुलिस ने एक ही रात में रु. 3.75 लाख का जुर्माना वसूल किया है। सूरत ट्रैफिक डीसीपी अमिता वाणानी के मुताबिक शहर पुलिस आयुक्त अजय तोमर के आदेश के बाद यह कार्यवाही की गई। बता दें कि अहमदाबाद के एसजी हाईवे स्थित इस्कॉन ब्रिज पर बुधवार की रात तेज रफ्तार जगुआर कार ने कई लोगों को अपनी चपेट में ले लिया था। इस हादसे में 9 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि 1 घायल ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने इस मामले में जगुआर कार चला रहे तथ्य पटेल और उसके पिता प्रज्ञेश पटेल को गिरफ्तार किया है। तथ्य पटेल के खिलाफ सापराध मानव वध समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

2400 से अधिक अमृत सरोवरों के निर्माण के साथ गुजरात में 100 फीसदी कार्य पूर्ण

गांधीनगर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण की दिशा में एक अहम प्रयास के हिस्से के रूप में अप्रैल, 2022 के 'मन की बात' कार्यक्रम में देशवासियों से देश के प्रत्येक जिले में 75 अमृत सरोवर बनाने का आह्वान किया था। उन्होंने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर पानी बचाने का संकल्प लेने के लिए अनुरोध किया था। गुजरात में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य करते हुए राज्य सरकार ने 100 फीसदी से अधिक कार्य पूरा कर लिया है। अब तक 2475 के लक्ष्य के मुकाबले राज्य में 2652 अमृत सरोवरों की पहचान की गई और 2612 अमृत सरोवरों का निर्माण पूरा हो चुका है। भारत के अमृत काल के इस स्वर्ण युग में प्रधानमंत्री की अपील का उद्देश्य सभी जिलों में कम से कम 75 अमृत सरोवर बनाना है। इनमें से प्रत्येक अमृत सरोवर में 1 एकड़ (0.4 हेक्टेयर) का तालाब क्षेत्र होगा, जिसमें लगभग 10 हजार घन मीटर की जल धारण क्षमता होगी। इसमें जनभागीदारी को सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका उद्देश्य समाज में साथ मिलकर काम करने की भावना को प्रोत्साहन देना है। इसके लिए आगामी महीनों में अमृत सरोवरों में सार्वजनिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। हाल ही में योग दिवस 2023 के अवसर पर 1597 सरोवरों पर 65 हजार से अधिक लोगों ने योग दिवस समारोह में भाग लिया था। इसी तरह, 1 जुलाई को कई अमृत सरोवरों पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया था। अमृत सरोवर के लाभ से अवगत कराने के लिए जिला प्रशासन ने स्थानीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों और गांव के अग्रणियों के साथ संवाद किया है।

स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के गांवों में स्थित सरोवरों के स्थान को प्राथमिकता दी गई है। 15 अगस्त को स्वतंत्रता सेनानियों या उनके परिवार के सदस्यों द्वारा 665 अमृत सरोवर कार्यस्थल पर स्मारक के रूप में नीम, पीपल और बरगद जैसे पेड़ लगाए गए हैं। रेलवे, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण तथा सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने सुरेन्द्रनगर-राजकोट डबलिंग प्रोजेक्ट और अहमदाबाद - मेहसाणा ट्रैक डेवलपमेंट, अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेस हाईवे, राष्ट्रीय राजमार्ग-27, दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेस हाईवे (एनएच-148 एन), एनएच-8 ई जैसी अपनी परियोजनाओं में अमृत सरोवर की मिट्टी का उपयोग किया है। स्थानीय किसान भी अपनी जमीन को उपजाऊ बनाने के लिए अमृत सरोवर की मिट्टी का उपयोग करते हैं।

नगरों-महानगरों के सर्वांगीण विकास में जन सुविधा कार्यों द्वारा ही सेवा और सुशासन प्रभावशाली बन सकते हैं: मुख्यमंत्री

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के नगरों-महानगरों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्यदक्षता से गुणवत्ता युक्त जन सुविधा कार्य शुरू करने का प्रेरक आह्वान किया है। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन के 9 वर्ष सेवा, सुशासन एवं ग़रीब कल्याण के रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेवा और सुशासन एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इसलिए सेवा के भाव के साथ होने वाले जन सुविधा के अधिक से अधिक कार्यों से ही सेवा-सुशासन प्रभावशाली बन सकेंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में राज्य के शहरी विकास विभाग की ओर से नगर पालिकाओं व महानगर पालिकाओं को सर्वांगीण विकास के लिए 1512 करोड़ रुपए की अनुदान राशि के चेक वितरण किए। इस समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात की स्थापना के स्वर्णिम जयंती वर्ष के तहत शुरू कराई गई स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत शहरों में जन सुविधा के व्यापक कार्यों के लिए प्रतिवर्ष इस प्रकार का अनुदान आवंटित किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत इस वर्ष राज्य की 8 महानगर पालिकाओं को 2874.40 करोड़ रुपए तथा नगर पालिकाओं को 645 करोड़ रुपए सहित कुल 3520 करोड़ रुपए की राशि दी जानी है। इस देय अनुदान की प्रथम किश्त के रूप में 8 महानगर पालिकाओं को 1150 करोड़ रुपए तथा नगर पालिकाओं को 362 करोड़ रुपए सहित कुल 1512 करोड़ रुपए की राशि के चेक इस समारोह में अर्पित किए गए। मुख्यमंत्री तथा कार्यक्रम में उपस्थि महानुभावों ने सम्बद्ध स्थानीय निकायों के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों को अनुदान राशि के चेक अर्पित किए। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, प्राथमिक शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल पानसेरिया, विधायकगण, महानगरों के महापौरगण, नगर पालिकाओं के अध्यक्षगण, मुख्यमंत्री के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी पंकज जोशी और वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर के साक्षी बने।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्पष्ट उल्लेख किया कि गुजरात ने विकास के रोल मॉडल के रूप में जो ख्याति प्राप्त की है, उसके मूल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रचा गया विकास की राजनीति का नया इतिहास है। पटेल ने कहा कि आज राज्य में ऐसा सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन है कि करोड़ों रुपए के विकास कार्य हो रहे हैं, ऑनलाइन सेवाएँ उपलब्ध हैं और सड़क-बिजली-पानी का सुदृढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राप्त होने के कारण जनता की अपेक्षाएँ संतुष्ट हो रही हैं। इतना ही नहीं, सभी वर्गों की जनता को विश्वास और भरोसा है कि उन्हें आगे भी स्थानीय निकाय प्रशासन से और अधिक अच्छी सेवा-सुविधाएँ मिलती रहेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा, च्गुजरात की जनता ने हमें जो ज़िम्मेदारी दी है, उस ज़िम्मेदारी को हम समूह में अच्छे तथा गुणवत्ता युक्त कार्यों, कार्य पद्धति एवं कार्यदक्षता द्वारा विकास कार्यों को करके पूरा करें।ज्ञ उन्होंने नगरों-महानगरों में क्लाइमेट चेंज तथा वातावरण में परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगा कर ग्रीन कवर बढ़ाने की भी हिमायत की। मुख्यमंत्री ने नगर पालिकाओं-महानगर पालिकाओं को पानी के मितव्ययिता पूर्ण उपयोग, बिजली बचत, सड़क मरम्मत के कार्यों के बारे में भी मार्गदर्शन दिया। उन्होंने शहरों में ड्रेनेज सफ़ाई के लिए मेनहोल में अत्याधुनिक प्रभावशाली मशीनरी का उपयोग करने की बात कही और इसके लिए जेटिंग कम सक्शन विद रिसाइकलिंग फ़ैसिलिटी वैन को प्र-स्थान कराया। प्राथमिक चरण में ये वैन राज्य के 6 रीजनल म्युनिसिपल कमिश्नर कार्यालयों के अधीनस्थ उनके क्षेत्रों की नगर पालिकाओं में आवश्यकता के अनुसार उपयोग के लिए आवंटित की जाएगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने नगर पालिकाओं-महानगर पालिकाओं को प्रदान की गई राशि से सर्वांगीण विकास कार्यों द्वारा 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' के लिए आत्मनिर्भर शहरों के निर्माण की प्रेरणा दी।

गुजरात के चार महानगरों में तीन साल में हुई दुर्घटनाओं में 18287 लोगों की मौत

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत और राजकोट समेत चार महानगर पालिकाओं में तीन साल हुई दुर्घटनाओं में 18 287 लोगों की मौत हो गई। जिसमें सूरत महानगर पालिका में सबसे अधिक 6 160 मौतें हुई हैं। गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रवक्ता पार्थिवराज कठवाडिया ने बताया कि गुजरात में जिस प्रकार से भीषण दुर्घटनाओं में निर्दोष लोगों की जान जा रही है, वह समाज और सरकार के लिए चिंता का विषय है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक गुजरात के चार महानगरों में तीन साल के भीतर 18287 लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना मृत्यु के मामले में सूरत गुजरात में सबसे आगे है। सूरत शहर तीन साल के भीतर दुर्घटना में 6760 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। वहीं अहमदाबाद में तीन साल में 5495, राजकोट में 3934 और वडोदरा में 2098 मौतें हुई हैं। गुजरात में रोड सेफ्टी एक्ट 2018 से अमल में है, लेकिन उसका पालन नहीं किया जा रहा। गुजरात के रोड सेफ्टी ऑथोरिटी के मुताबिक वर्ष 2022 में ऑवर स्पीड की वजह से नेशनल हाईवे पर दुर्घटना में 1991 लोगों की मौत हो गई। वर्ष 2021 में ऑवर स्पीड में 1971, वर्ष 2020 में 1718 और वर्ष 2019 में 1824 लोगों की मौत हुई। वर्ष 2022 में रोंग साइड ड्राइविंग की वजह से 62 लोगों की मौत हुई। वर्ष 2021 में 63, वर्ष 2020 में 63 और वर्ष 2019 में 62 लोगों की मौत ऑवर स्पीड के कारण हो गई। गुजरात सरकार से कांग्रेस की मांग है कि गुजरात को स्पीड मैनेजमेन्ट प्लान की जरूरत है। इंटरसेप्टर वाहन भी केवल नाम के लिए दिखते हैं उनका पर्याप्त उपयोग करना चाहिए। स्पीड कैमरे लगाने, स्पीड लिमिट को फोलो करने के लिए पर्याप्त प्रयास करना चाहिए। गुजरात रोड सेफ्टी ऑथोरिटी द्वारा हायर एज्यूकेशन डिपार्टमेंट का समावेश कर टीन एजर और युवाओं में जागृति लाने की कोशिश की जाए। ट्रैफिक पुलिस को स्पीड का लगातार मोनिटरिंग करना चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि अहमदाबाद के एसजी हाईवे जैसी भीषण दुर्घटना का पुनरावर्तन ना हो इसलिए सरकार को रोड सेफ्टी को प्राथमिकता देने पर काम करना चाहिए।

सूरत भूमि, सूरत। रक्षक ग्रुप और ब्लैक ईगल ऑर्गेनाइजेशन ने आज स्वामीनारायण परम सुख स्कूल सीमाड़ा नाना वराछा में बड़ी संख्या में माताओं और बेटियों को स्टॉप लव जिहाद और सोशल मीडिया अवेयरनेस के बारे में जानकारी दी और इस साजिश से बचने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस सेमिनार में रक्षक समूह महिला विंग की श्रीमती वर्षाबहन, रिताबहन एवं वैशाली बहन उपस्थित रहीं एवं भविष्य में कैसे सावधानी बरतनी है इसकी पूरी जानकारी दी गयी।

जोगानी रिइंफोर्समेंट के महेश कुमार जोगानी को भारत के सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने प्रतिष्ठित अवॉर्ड देकर किया सम्मानित

सुप्रसिद्ध इंडस्ट्रलिस्ट महेशकुमार जोगानी को हाल ही में नागपुर में आयोजित एक भव्य समारोह में भारत के सड़क और परिवहन मंत्री, नितिन गडकरी ने सितारों से सजे समारोह में प्रख्यात और गणमान्य हस्तियां की मौजूदगी में प्रतिष्ठित पुरस्कार देकर सम्मानित किया। जोगानी रिइंफोर्समेंट के निदेशक और रिइंफोर्समेंट क्षेत्र में फाइबरग्लास मेश तकनीक में अग्रणी महेशकुमार जोगानी को नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए सम्मानित किया गया।जोगानी ने कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में दूरदर्शी सोच और नेतृत्व के साथ फाइबरग्लास मेश, क्रैक कंट्रोल और वॉटरप्रूफिंग सॉल्यूशन जैसी तकनीक को विकसित कर आगे बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

सम्मान समारोह में बोलते हुए, जोगानी रिइंफोर्समेंट के निदेशक, महेश कुमार ने सबका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा ब्रांड कमर्शियल और डोमेस्टिक कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स के लिए किफायती और मजबूत सॉल्यूशन प्रदान करता है। जोगानी प्लास्टर मेश आरसीसी-चिनाई जोड़ और छिपी हुई दरारों को भरने और मकान की क्वालिटी और टिकाउपन बढ़ाने के लिए बहुत उपयोगी है। कॉन्टेक्टर और इंजीनियरों के बीच वॉटरप्रूफिंग मेश बहुत लोकप्रिय है। सभी जोगानी प्रोड्क्ट्स खर्चे को कम करके मेंटेनेंस फ्री कंस्ट्रक्शन में मदद करते हैं। मैं और मेरी टीम समर्पित होकर प्रोड्क्ट्स और टेक्नोलॉजी को डेवलप करने के लिए काम कर रही है जो इंडस्ट्री के अंदर सतत विकास और ईको सेंसेटिव सिस्टम को सुनिश्चित करेगी। हमारे प्रोड्क्ट जैसे जोगानी प्लास्टर मेश और जोगानी वॉटरप्रूफिंग मेश दरारों, पानी के रिसाव और नमी से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जोगानी ने आगे कहा कि जोगानी फाइबर ग्लास मेश न केवल दरारों को रोकता है और इमारतों की मजबूत बनावट के अलावा कार्बन फुटप्रिंट और कंस्ट्रक्शन के दौरान निकलने वाले मलबे और कचरे को भी कम करता है। बता दें लंबे समय तक अपने घर को पानी के रिसाव से बचाने का सबसे अच्छा उपाय वाटरप्रूफिंग है। कंक्रीट वॉटरप्रूफिंग में कंक्रीट को वॉटरप्रूफिंग मटेरियल से कोट किया जाता है जो जोड़ और दरारों को भरकर मजबूती प्रदान करता है, दीवारो को पानी और नमी से बचाता है साथ ही छत टपकने और फर्श से पानी के रिसाव को रोकता है।

जोगानी ने आगे कहा कि मजबूत पकड़ करने वाले फाइबरग्लास मेश में इस तरह के अभूतपूर्व नवाचारों की भूमिका दरार-मुक्त स्ट्रक्चर को बढ़ावा देने और टिकाऊ बनाने में सक्षम साबित हो रही है। इसने दुनिया भर में कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में अपनी मजबूत पकड़ और दरार मुक्त बनाने वाली तकनीक के माध्यम से महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जोगानी प्लास्टर लचीला होता है जो सभी निर्माण सामग्री और मिश्रण के साथ आसानी से मैश यानी मिक्स हो जाता है। दुनिया भर में अधिकांश टॉप कंस्ट्रक्शन कंपनियां अपने कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में ऐसे प्लास्टर और वॉटरप्रूफिंग मेश का उपयोग करती हैं।

वस्त्रों की विशाल श्रेणी के साथ महाराजा अग्रसेन भवन में नेशनल सिल्क एक्सपो का आरंभ

सूरत भूमि, सूरत। आगामी त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए सूरत की फैशन प्रिय जनता के लिए फिर एक बार सूरत में नेशनल सिल्क एक्सपो का आयोजन किया गया है, जिसका शुक्रवार से सिटीलाइट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में भव्य आरंभ हुआ। 23 जुलाई तक चलने वाले से एक्सपो में देश के विभिन्न हिस्सों से प्रसिद्ध और लोकप्रिय साड़ियां, सूट, फैशन ज्वैलरी और ड्रेस सामग्री को प्रदर्शित किया गया है। एक्सपो में पहले ही दिन जिस तरह की भीड़ उमड़ी उससे ही पता चलता है कि यहां उपलब्ध वस्त्रों की श्रेणियां लोगों को आकर्षित कर रही है, जो इस एक्सपो को मिल रहे प्रतिसाद और सफलता को दर्शाती हैं।

ग्रामीण हस्तशिल्प विकास समिति द्वारा आयोजित इस एक्सपो में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वेरायटी के डिजाइन, पेन्ट्स, कलर कोम्बीनेशन का बड़ा कलेक्शन है।

इनमें बनारसी, पटोला, पैठनी, उपाडा, तमिलनाडु से कोयम्बतूर सिल्क, कांजीवरम सिल्क, कर्नाटक की बेंगलुरु सिल्क, क्रेप और जोजेन्ट साड़ी, कश्मीरी साड़ी, बेंगलुरु सिल्क, आंध्र प्रदेश की कलमडरी, पोचमपल्ली, मंगलगीरी, ड्रेस मटेरियल्स उपाडा, गडवाल, धर्मात्राम, प्योर सिल्क आदि शामिल है। त्योहार और उसके बाद शादी सीजन के लिए विशेष सिल्क और कोटन हेन्डलूम के स्वदेशी चीजों को लोग बहुत पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा अन्य फैशन ज्वैलरी के भी कई वेरायटी उपलब्ध है। श्रेष्ठ हथकरघा और डिजाइनरों द्वारा निर्मित सिल्क की लेटेस्ट वेरायटी का बड़ा खजाना उपलब्ध हैं। एक्सपो मुलाकातियों के लिए सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहेगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)